Page-01_Layout 1 3/25/2025 1:35 AM Page 1

■ वर्ष-17 ■ अंक-64 ■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य : 1 रुपए

नई दिल्ली, मंगलवार, 25 मार्च, 2025

newdibyabharat@gmail.com

ग्वालियर की बेटियां आगे आकर प्रदेश और देश ही नहीं सम्पूण... पृष्ठ-3

दिव्य भारत

| राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक |

नीली छतरी वाले मंदिर को कोई नुकसान नहीं... पृष्ठ-7

संक्षिप्त

सांसदों का वेतन, भत्ते और पेंशन बढ़ी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने संसद सदस्यों के वेतन, दैनिक भत्ते, पेंशन और अतिरिक्त पेंशन में बढ़ा दी है। सोमवार को इस संबंध में संसदीय कार्य मंत्रालय की ओर से गजट नोटिफिकेशन जारी की दिया गया। इसके तहत सांसदों को प्रतिमाह एक लाख रुपये के स्थान पर अब 1.24 लाख रुपये का वेतन मिलेगा। यह वृद्धि 1 अप्रैल 2023 से लागू होगी। संसदीय कार्य मंत्रालय के एडिशन सचिव डॉ सत्य प्रकाश की ओर से जारी गजट नोटिफिकेशन के अनुसार 1 अप्रैल 2023 से लोकसभा और राज्यसभा के सदस्यों का वेतन 1 लाख रुपये से बढ़कर 1.24 लाख रुपये प्रति माह कर दिया गया है।

तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार को मारी टक्कर, मौत

नई दिल्ली, 24 मार्च (हि.स.)। दक्षिण जिले के हौजखास इलाके में रविवार देर रात को ओला-उबर कैब ने स्विगी डिलीवरी बॉय को टक्कर मार दिया। हादसे में बाइक सवार डिलीवरी बॉय चंद्रहास यादव की मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सुरक्षित रखवा दिया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर टक्कर मारने वाली कैब जब्त कर उसके चालक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी की मदद से मामले की जांच कर रही है।

पूर्व न्यायाधीश ने संभाला डीईआरसी का अध्यक्ष पद

नई दिल्ली। दिल्ली के ऊर्जा मंत्री आशीष सूद ने दिल्ली सचिवालय के अपने कक्ष में न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) उमेश कुमार को दिल्ली विद्युत विनियामक आयोग (डीईआरसी) के अध्यक्ष के रूप में कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर मुख्य सचिव और ऊर्जा सचिव के साथ कई वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। मंत्री ने उमेश कुमार को अध्यक्ष बनने के लिए बधाई देते हुए दिल्ली के ऊर्जा क्षेत्र में बेहतर काम करने के लिए शुभकामनाएं भी दीं।

नागपुर हिंसा के मास्टरमाइंड के मकान पर चला बुलडोजर

रमाकान्त पाण्डेय

नागपुर। नागपुर हिंसा मामले के मुख्य आरोपित फहीम खान के मकान पर सोमवार को बुलडोजर कार्रवाई को अंजाम दिया गया। नागपुर नगर निगम के अधिकारियों ने फहीम के मकान के अवैध हिस्से के ध्वस्त कर दिया है।

अल्पसंख्यक लोकतांत्रिक पार्टी (एमडीपी) का नेता फहीम खान 17 मार्च को नागपुर में हुई हिंसा का मुख्य आरोपित है। जांच में पता चला कि फहीम खान ने नागपुर के यशोधरानगर पुलिस स्टेशन की सीमा के भीतर संजय बाग कॉलोनी में दो मंजिला इमारत का निर्माण किया है। नगर निगम के अनुसार फहीम खान के मकान का एक बड़ा हिस्सा अवैध तरीके से बनाया गया था। नागपुर मनपा ने रविवार को उसके घर पर अवैध निर्माण हटाने के लिए नोटिस जारी किया था तथा अवैध निर्माण हटाने के लिए उसे 24 घंटे की समय सीमा दी गई। इसके बाद स्थानीय लोगों का कहना है कि उनका पूरा परिवार अपने रिश्तेदारों के यहां चला गया है।

पुलिस की रिपोर्ट में फहीम खान को हिंसा का मास्टरमाइंड बताया गया है। एफआईआर में साफ तौर पर उल्लेख किया गया है कि फहीम खान ने हिंसा वाले दिन इलाके में भीड़ इकट्ठा की थी और भीड़ को पुलिस और प्रशासन के खिलाफ भड़काया। इसके बाद पुलिस ने फहीम खान को भीड़ इकट्ठा करने और हिंसा भड़काने के आरोप में गिरफ्तार किया है। अब नगर निगम ने फहीम खान के मकान के अवैध हिस्से पर बुलडोजर चला दिया है।

लोकतांत्रिक मूल्यों के विकास के लिए सहमति वाला दृष्टिकोण मौलिक है : धनखड़

नई दिल्ली, (हि.स.)। उपराष्ट्रपति एवं राज्य सभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को संसद भवन में राज्य सभा इंटर्नशिप कार्यक्रम के प्रतिभागियों के छठे बैच को संबोधित करते हुए कहा कि लोकतांत्रिक मूल्यों के विकास के लिए सहमति वाला दृष्टिकोण मौलिक है।

सभापति ने कहा कि दुनिया की कोई भी सभ्यता भारत जितनी समावेशी नहीं है। हमने कभी टकराव में विश्वास नहीं किया, कभी भी प्रतिकूल रुख में नहीं, लेकिन हम पाते हैं कि देश में राजनीतिक तापमान भी बहुत अधिक है। हम मुद्दों पर तुरंत अपूरणीय, टकरावपूर्ण स्थिति ले लेते हैं। हम संवाद के माध्यम से ही एकमात्र रास्ता निकालते हैं।

कर्नाटक में सरकारी ठेकों में मुस्लिमों को 4 प्रतिशत आरक्षण की ओर संकेत करते हुए सभापति ने कहा कि हाल ही में एक राज्य में एक खास समुदाय, एक धार्मिक संप्रदाय को अनुबंधों में आरक्षण दिए जाने का संकेत मिला है। संवैधानिक प्रावधानों पर गौर करें। क्या हमारा संविधान धार्मिक विचारों पर किसी आरक्षण की अनुमति देता है? जानिए डॉ. बी.आर. अंबेडकर ने क्या कहा था, और आपको पता चल जाएगा कि धार्मिक विचारों पर कोई आरक्षण नहीं हो सकता।उपराष्ट्रपति ने कहा कि देश की युवा आबादी की बदौलत भारत को दुनिया में एक महान राष्ट्र के रूप में पहचाना जाता है। उन्होंने युवाओं से नस्लवाद और नकारात्मकता को बेअसर करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि देश के अंदर और बाहर हमें नीचा दिखाने की कोशिश की जा रही है, लेकिन आपको हमेशा यह एहसास होना चाहिए कि भारत का उदय वैश्विक स्थिरता के लिए है। भारत का उदय वैश्विक शांति के लिए है और अकेले युवा ही बड़ा बदलाव ला सकते हैं।

उन्होंने कहा कि हमारा देश सबसे पहले संवैधानिक प्रावधानों द्वारा शासित होता है। संविधान में बदलाव करना संसद का एकमात्र विशेषाधिकार है। उन्होंने कहा कि संविधान में अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों के लिए सहायता और सकारात्मक तंत्र का प्रावधान है।

किरेन रिजिजू ने मुस्लिम आरक्षण पर लोकसभा में कांग्रेस को घेरा

नई दिल्ली, (हि.स.)। संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने कर्नाटक की कांग्रेस सरकार के उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के मुस्लिम आरक्षण पर दिए बयान का मुद्दा सोमवार को लोकसभा में उठाया। उन्होंने नाम लिए बिना कहा कि संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति का धर्म के आधार पर आरक्षण और उसके लिए संविधान बदलने की बात कहना अस्वीकार्य है। यह संविधान निमार्ताओं का अपमान है। लोकसभा की कार्यवाही पहले विपक्षी सदस्यों के पोस्टर लेकर सदन में आने के कारण स्थगित हुई। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने इस बारे में विपक्षी सदस्यों को कड़ी चेतावनी दी। उन्होंने संसदीय कार्यमंत्री रिजिजू को पोस्टर लहराने वालों के खिलाफ प्रस्ताव लाने की सलाह दी। हंगामे को देखते हुए सदन की कार्यवाही को 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। दोपहर 12 बजे दोबारा कार्यवाही शुरू होने पर संसदीय कार्यमंत्री ने लोकसभा में मुस्लिम आरक्षण पर विपक्ष खासकर कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने मांग की कि संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति को तुरंत पद से हटाया जाना चाहिए। इसके बाद पीठासीन अधिकारी जगदंबिका पाल ने हंगामा बढ़ते देख कार्यवाही को 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया। लोकसभा से बाहर आकर पत्रकारों से बातचीत में रिजिजू ने कहा कि संसद के दोनों सदनों- लोकसभा और राज्यसभा को एक बहुत ही गंभीर मुद्दे पर स्थगित करना पड़ा। एनडीए ने एक वरिष्ठ कांग्रेस नेता के बयान को बहुत गंभीरता से लिया है। संवैधानिक पद संभाल रहे कांग्रेस नेता ने स्पष्ट रूप से कहा है कि मुसलमानों को सरकारी ठेकों में आरक्षण समुदाय को आरक्षण और अन्य सुविधाएं प्रदान करने की दिशा में एक कदम है। इसके लिए देश के संविधान को बदला जाएगा। रिजिजू ने कहा कि मुस्लिम प्रतिनिधित्व और आरक्षण के मुद्दे को 1947 में खारिज कर दिया गया था।

मनखे-मनखे एक समान के सिद्धांत से समरस बनेगा छत्तीसगढ़ : राष्ट्रपति

रायपुर, (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को छत्तीसगढ़ विधानसभा के रजत जयंती समारोह में भाग लेते हुए प्रदेशवासियों को 25 वर्षों की लोकतांत्रिक यात्रा की बधाई दी और विधानसभा की उत्कृष्ट संसदीय परंपराओं की भूरि-भूरि प्रशंसा की। राष्ट्रपति मुर्मु ने छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना को स्वर्गीय प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के असाधारण मार्गदर्शन का परिणाम बताया और उनके प्रति सादर नमन किया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की लोकतांत्रिक यात्रा, जन-आकांक्षाओं की अभिव्यक्ति का एक प्रेरणास्पद उदाहरण है। राष्ट्रपति ने कहा कि मनखे-मनखे एक समान के सिद्धांत से छत्तीसगढ़ समरस बनेगा।

राष्ट्रपति मुर्मु ने अपने विधायक काल की स्मृतियाँ साझा करते हुए कहा कि जन-प्रतिनिधि के रूप में कार्य करना जनसेवा की भावना से प्रेरित व्यक्तियों के लिए एक सौभाग्य होता है। उन्होंने विधानसभा को संस्कृति की संवाहक और नीति निर्धारण की दिशा देने वाला केंद्र बताया। उन्होंने छत्तीसगढ़ विधानसभा द्वारा अपनाई गई अनुशासित और मर्यादित परंपराओं की सराहना की। विशेष रूप से उन्होंने 'स्वयमेव निलंबन' जैसे नियमों की सराहना की और इस बात को ऐतिहासिक बताया कि 25 वर्षों में छत्तीसगढ़ विधानसभा में कभी भी मार्शल का उपयोग नहीं करना पड़ा। राष्ट्रपति ने छत्तीसगढ़ को मातृशक्ति का साक्षात प्रतीक बताते हुए राज्य की सांस्कृतिक गरिमा को नमन किया। उन्होंने छत्तीसगढ़ की महिला विभूति मिनी माता को याद करते हुए उनके योगदान को नमन किया। साथ ही उन्होंने इस बात की सराहना की कि आज विधानसभा में 19 महिला विधायक हैं और राज्य में महिला मतदाताओं की संख्या पुरुषों से अधिक रही है। राष्ट्रपति ने महिला विधायकों से आह्वान किया कि वे राज्य की अन्य महिलाओं को सशक्त बनाने में

अग्रणी भूमिका निभाएँ। उन्होंने नारी शक्ति वंदन अधिनियम की भावना को धरातल पर उतारने की अपील की।

राष्ट्रपति मुर्मु ने छत्तीसगढ़ विधान सभा द्वारा पारित 565 विधेयकों को समावेशी विकास की दिशा में ऐतिहासिक बताया। विशेष रूप से महिलाओं को रूढ़ियों पर आधारित प्रताड़ना से मुक्त कराने वाले अधिनियम का उल्लेख करते हुए डॉ. रमन सिंह के कार्यकाल में इसे विधान सभा का महत्वपूर्ण योगदान बताया। राष्ट्रपति ने कहा कि छत्तीसगढ़ में विकास की असीम संभावनाएं विद्यमान हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में खनिज, औद्योगिक और कृषि क्षेत्र में विकास की व्यापक संभावना है। उन्होंने पर्यावरण-संरक्षण और विकास के बीच संतुलन की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यहां के पारंपरिक लोक शिल्प की देश-विदेश में सराहना होती है। यह सुंदर राज्य हरे-भरे जंगलों, झरनों तथा अन्य प्राकृतिक वरदानों से समृद्ध है। छत्तीसगढ़ को महानदी, हसदेव, इंद्रावती और शिवनाथ जैसी नदियों का आशीर्वाद प्राप्त है।

उत्तराखंड सरकार अवैध मदरसों की फंडिंग की करेगी जांच, अब तक 136 मदरसे सील

देहरादून, (हि.स.)। उत्तराखंड की धामी सरकार अवैध रूप से संचालित मदरसों पर कार्रवाई के बाद अब उनकी फंडिंग की गहन जांच करने जा रही है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि प्रदेश में अवैध मदरसों, मजार और अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अवैध रूप से बड़े पैमाने पर मदरसों का संचालन गंभीर विषय है जिसकी जांच के लिए अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए गए हैं। इसकी रिपोर्ट अधिकारी सीधे मुख्यमंत्री कार्यालय को सौंपेंगे।

प्रदेश में अवैध मदरसों के खिलाफ बड़े स्तर पर कार्रवाई की जा रही है। अब तक पूरे प्रदेश में 136 मदरसों को कागजात पूरे न होने पर सील किया जा चुका है, जबकि रिपोर्ट में पूरे प्रदेश में 500 से अधिक अवैध मदरसे संचालित होने की बात कही जा रही है।

बताया गया है कि राज्य में करीब 450 पंजीकृत मदरसे हैं, जो शासन को अपने दस्तावेज, बैंक खाते और आय-व्यय का पूरा ब्योरा देते हैं लेकिन दूसरी ओर 500 से अधिक मदरसे बिना किसी मान्यता के संचालित हो रहे हैं। इन मदरसों में पढ़ने वाले बच्चों का सत्यापन और आर्थिक स्रोतों की जांच के लिए शासन ने जिला प्रशासन को सख्त निर्देश जारी किए हैं। यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि इन अवैध मदरसों को किस स्रोत से धन मिल रहा है और उसका उपयोग किस उद्देश्य के लिए किया जा रहा है।

पिछले कुछ समय में उत्तर प्रदेश से सटे कस्बों जैसे जसपुर, बाजपुर, किच्छा, काशीपुर, रुद्रपुर, गदरपुर, पछवादून और हरिद्वार जिले में बिना पंजीकरण के कई मदरसे खुलने की सूचना मिली है। सरकार इन मदरसों के स्रोतों और उद्देश्यों की जांच कर आवश्यक कार्रवाई कर रही है।

अवैध मदरसे का निर्माण रुकवायादेहरादून जिला प्रशासन की टीम ने सोमवार को सहसपुर के एक बड़े मदरसे को अवैध निर्माण मामले में पूर्व में दिए नोटिस के बाद सील कर दिया। उक्त मदरसे ने बिना प्राधिकरण की अनुमति के एक मंजिल का अवैध रूप से निर्माण कर लिया था।

भारत के टीबी उन्मूलन कार्यक्रम को विश्व में मिल रही मान्यता : नड्डा

आलोक पाण्डेय

नई दिल्ली। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने सोमवार को कहा कि भारत के टीबी (ट्यूबरक्लोसिस) उन्मूलन कार्यक्रम को अब विश्व में मान्यता मिल रही है।अब दूसरे देश भी भारत में चल रहे सफल टीबी उन्मूलन कार्यक्रम को अपना रहे हैं।

विश्व टीबी दिवस के मौके पर सोमवार को विज्ञान भवन में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री नड्डा ने कहा कि 100 दिन का सघन टीबी उन्मूलन के समापन समारोह में हम इसके खात्मे के संकल्प के साथ देश के सभी जिलों में इस अभियान को तेजी से चलाएंगे। टीबी के खिलाफ जंग जारी रहेगी।

उन्होंने कहा कि 2018 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश को 2025 तक टीबी मुक्त बनाने का संकल्प लिया था जबकि विश्व ने इसके लिए 2030 का संकल्प लिया है। इस टीबी उन्मूलन यात्रा जनभागीदारी के साथ सरकारी प्रयास लगाए गए। पहले टीबी की जांच के लिए 121 मशीनें हुआ करती थी जो आज बढ़कर 8540 मॉलिक्यूलर डॉगनॉस्टिक मशीनें हो गई है। एआई का भी योगदान रहा है। निक्षय मित्र, निक्षय पोषण योजना प्रधानमंत्री मोदी की बड़ी सोच का योगदान है। टीबी उन्मूलन में निजी क्षेत्र को शामिल करना बहुत बड़ा कदम है। जेपी नड्डा ने कहा कि 100 दिन का टीबी मुक्त अभियान अविश्वनीय है। हरियाणा से शुरू हुई यह यात्रा, आज काफी सफल हुई है। उन्होंने बताया कि सात दिसंबर 2024 को देशभर में 100 दिन के लिए प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान शुरू हुआ।

23 मार्च तक इस अभियान के तहत सभी राज्यों ने मिलकर 12.97 करोड़ लोगों की जांच की जिसमें 7.19 लाख नए मरीजों की पहचान की। 2015 से 2023 के बीच नए मामलों में 17.7 फीसदी की कमी आई ,जो अब बढ़कर 25 फीसदी तक पहुंची है। यह वैश्विक दर की तुलना में करीब 10 फीसदी ज्यादा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील के बाद भारत ने टीबी से मुक्ति पाने के लिए 2025 तक का लक्ष्य रखा है।

Page-02_Layout 1 3/24/2025 11:28 PM Page 1

मुख्यमंत्री ने दिल्ली विधानसभा में डीटीसी से संबंधित सीएजी रिपोर्ट पेश की

नई दिल्ली, 24 मार्च (हि.स.)। दिल्ली विधानसभा बजट सत्र के पहले दिन मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली परिवहन निगम से संबंधित नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) रिपोर्ट सदन में पेश की। सीएजी रिपोर्ट में डीटीसी को वर्ष 20221-22 में 8433 करोड़ रुपये का घाटा उजागर हुआ है। 2015-16 में घाटा 3411.10 करोड़ रुपये था। इस तरह इस अवधि में डीटीसी का घाटा दोगुने से भी ज्यादा बढ़ गया। इसके अलावा सीएजी रिपोर्ट में 2015 से 2023 की अवधि के दौरान डीटीसी के बेड़े में कमी दिखाई गई है। 2015-16 में डीटीसी के बेड़े में 4344 बसें थी, जो 2022-23 में घटकर 3937 रह गईं।

भाजपा विधायक हरीश खुराना ने कहा कि ये आम आदमी पार्टी (आआपा) जब से सत्ता में आई तब से डीटीसी घाटे में चल रही है। आआपा के समय डीटीसी का घाटा दोगुने से भी ज्यादा बढ़ गया। 2015 में 3411 करोड़ का घाटा, 2016 में 3843 करोड़ का घाटा, 2017 में 4329 करोड़ का घाटा, 2018 से 2019 के बीच 5,280 करोड़ का घाटा, 2020-2021 के बीच 7342 करोड़ का घाटा और 2021-2022 के बीच 8433 करोड़ का घाटा हुआ।

उन्होंने वित्तीय अनियमितताओं का भी आरोप लगाया और सवाल किया कि आआपा सरकार ने 225 करोड़ रुपये किराया वसूले बिना डीटीसी की 3.18 लाख वर्ग मीटर जमीन निजी क्लस्टर बसों को क्यों आवंटित की। इसके अलावा उन्होंने दिल्ली परिवहन विभाग के लिए 2022 में 223 करोड़ रुपये होने के बावजूद नई बसें खरीदने में विफल रहने के लिए प्रशासन की आलोचना की।

दिल्ली सरकार के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि सीएजी रिपोर्ट से स्पष्ट हो गया है कि आआपा ने डीटीसी को भी लूटने का काम किया है। डीटीसी को करीब 850 रूट पर चलाना था लेकिन वह सिर्फ 400 रूट पर ही चल रही है। इसलिए केजरीवाल और उनके भ्रष्ट नेता सीएजी रिपोर्ट से डरे हुए थे। आआप नेता ये नहीं चाहते थे कि सीएजी रिपोर्ट विधानसभा में पेश की जाए।

दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और आआपा नेता आतिशी ने कहा कि आप संसद और विधानसभा में देखिए कि बजट पेश होने के पिछले दिन आर्थिक सर्वेक्षण सदन पटल पर रखा जाता है। उसी आर्थिक सर्वेक्षण के संदर्भ में बजट रखा जाता है कि आखिर दिल्ली के लोगों की कितनी जरूरत है, उनकी आय कितनी है और हमें उस आय को कितना बढ़ाना है। पिछले 10 सालों में ऐसा कभी नहीं हुआ कि बजट से पहले आर्थिक सर्वेक्षण न प्रस्तुत किया हो।

दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता और मंत्रियों ने बजट सत्र 2025 से पहले 'खीर समारोह' में भाग लिया।

हत्या की कोशिश और डकैती की वारदात में वांछित बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली, 24 मार्च (हि.स.)। दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच ने समयपुर बादली में हत्या की कोशिश और डकैती की वारदात में वांछित बदमाश सुमित उर्फ पंकज को गिरफ्तार किया है। आरोपित ने हत्या के मामले में गवाह को धमकाने की नीयत से साथियों के साथ मिलकर फायरिंग की थी। जिसमें शिकायतकर्ता गोली लगने से घायल हो गया था। क्राइम ब्रांच के डीसीपी सतीश कुमार ने सोमवार को बताया कि आरोपित समयपुर बादली एमसीडी कॉलोनी का रहने वाला है। सुमित एक खूंखार बदमाश है और वह एक दर्जन से अधिक आपराधिक मामलों में शामिल रहा है।

डीसीपी ने बताया कि आरोपित को इंस्पेक्टर संदीप स्वामी के नेतृत्व में एएसआई सुनील, हेड कांस्टेबल नितिन, राज आर्यन, सुमित, नवल और परवीन आदि की टीम ने एक गुप्त सूचना के बाद गिरफ्तार किया। वह दो अलग-अलग मामलों में अदालत द्वारा भगोड़ा घोषित किया गया था।

डीसीपी ने बताया कि शिकायतकर्ता सोनू ने पुलिस को बताया कि 2017 में उसके पड़ोस के राहुल नाम के लड़के की प्रदीप उर्फ विक्की ने हत्या कर दी थी। इस बाबत समयपुर बादली में मुकदमा दर्ज किया गया। इस मामले के बाद प्रदीप ने परिवार को धमकाना शुरू कर दिया और उन्हें अदालत में उसके खिलाफ गवाही न देने की चेतावनी दी। 29 नवंबर 2019 को प्रदीप अपने साथियों सुमित उर्फ पंकज और अभिषेक के साथ पिस्टल से लेकर सोनू के घर पहुंचा। उन्होंने प्रदीप के खिलाफ गवाही देने पर उसे सबक सिखाने की धमकी देते हुए गोलियां चलाईं। घटना में सोनू गोली लगने से घायल हो गया था। इस बाबत समयपुर बादली में हत्या की कोशिश समेत आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस ने तीतों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया लेकिन सुमित फरार था। कोर्ट में पेश नहीं होने पर अदालत ने उसे भगोड़ा घोषित कर दिया। पूछताछ के दौरान पता चला कि सुमित को समयपुर बादली में डकैती के एक अन्य मामले में भी भगोड़ा घोषित किया गया था।

चोरी के दो वाहनों के साथ एक बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली, (हि.स.)। पश्चिमी जिले के हरि नगर थाना पुलिस ने वाहन चोरी के मामले में सिमरजीत सिंह उर्फ शम्पी नामक एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। उसके पास से दो दुपहिया वाहन बरामद किए गए हैं। जांच में पता चला है कि सिमरजीत सिंह उर्फ शम्पी पर 24 आपराधिक मामले पहले से दर्ज हैं। पश्चिमी जिले के डीसीपी विचित्र वीर ने सोमवार को बताया कि हरिनगर चौकी इंचार्ज एसआई ठाकुर सिंह, हेडकांस्टेबल मोनू, श्रीकृष्ण के साथ गश्त पर थे। गश्त के दौरान जब टीम डीडीयू अस्पताल के पीछे पहुंची तो उन्होंने देखा कि एक व्यक्ति मोटर साइकिल पर उनकी तरफ आ रहा है। पुलिस को देखकर आरोपित ने मोटर साइकिल मोड़ी और भागने की कोशिश की। पुलिस ने उसका पीछा कर उसे धर दबोचा। आरोपित के पास मिली बाइक चोरी की थी।

दिल्ली विधानसभा का बजट सत्र शुरू, मुख्यमंत्री ने भगवान श्रीराम को लगाया खीर का भोग

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली विधानसभा का बजट सत्र सोमवार से शुरू हो गया। बजट सत्र शुरू होने से पहले खीर सेरेमनी का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने तैयार 'खीर' का सबसे पहले भगवान श्रीराम को भोग लगाया। मंगलवार को वित्त वर्ष 2025-26 का बजट प्रस्तुत किया जाएगा

विधानसभा भवन में बजट सत्र शुरू होने से पहले खीर सेरेमनी का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने खीर का सबसे पहले भगवानश्रीराम का भोग लगाया। इस बाद मुख्यमंत्री ने कैबिनेट मंत्रियों, विधायकों और अन्य लोगों का खीर से मुंह मीठा कराया। बजट सत्र में आज डीटीसी के कामकाज पर सीएजी रिपोर्ट सदन में पेश की जाएगी। यह तीसरी सीएजी रिपोर्ट होगी। मंगलवार को वित्त वर्ष 2025-26 का बजट प्रस्तुत किया जाएगा और बुधवार को बजट पर चर्चा होगी। गुरुवार को विधानसभा में बजट को मंजूरी दी जाएगी। शुक्रवार को निजी विधेयकों और संकल्पों पर चर्चा होगी। विधानसभा का बजट सत्र 24 से 28 मार्च 2025 तक चलेगा और आवश्यकता पड़ने पर इसे बढ़ाया भी जा सकता है।

उल्लेखनीय है कि दिल्ली सरकार को बजट के लिए 10 हजार से ऊपर सुझाव वाट्सएप और ईमेल के माध्यम से दिल्लीवासियों से प्राप्त हुए हैं। विकसित दिल्ली बजट के लिए महिलाओं, शिक्षाविदों, व्यापारियों, औद्योगिक संगठनों, किसानों, विधायकों, सांसदों, युवाओं, डॉक्टर, सीए, नगर निगम पार्षद एवं कर्मचारी, झुग्गी निवासियों और इन्फ्लुएंसर्स आदि के साथ मुख्यमंत्री के स्तर पर संवाद किया गया। सुझावों में महिलाओं का आर्थिक विकास, यमुना की सफाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण और रोजगार आदि विषय प्रमुख रहे हैं।

आज का राशिफल

मेष राशि-तनाव व उदर रोग, मित्र लाभ, राजभय होगा, विवेक से कार्य का ध्यान रखें।

वृष राशि-मनोवृत्ति संवेदनशील रहेगी, कार्यगति अनुकूल, चिन्ता कम अवश्य ही होगी।

मिथुन राशि-किसी प्रयोजन से हानि, मनोवृत्ति संवेदनशील रहेगी, कार्यगति उत्तम होगी।

कर्क राशि-सामर्थ्य एवं शक्ति व्यर्थ जाए, मानसिक बेचैनी, क्लेश व अशांति अवश्य होगी।

सिंह राशि-कार्य-व्यवसाय में संतोष, स्त्री से तनाव, मानसिक अशांति बनी ही रहेगी।

कन्या राशि-समय अनुकूल नहीं, विशेष कार्य स्थगित रखें, लेनदेन से हानि अवश्य होगी।

तुला राशि-समृद्धि के साधन बनें, कार्य-कुशलता से संतोष होगा तथा कार्य अवश्य बनेंगे।

वृश्चिक राशि-प्रबलता, प्रभुत्व वृद्धि, कार्य-कुशलता से संतोष होगा तथा कार्य अवश्य बनेंगे।

धनु राशि-व्यर्थ भ्रमण, धन का व्यय, असमंजस एवं असमर्थता का वातावरण बना ही रहेगा।

मकर राशि-अचानक यात्रा के प्रबल योग बनें, योजनाएं फलीभूत हों, कार्य से संतोष होगा।

कुंभ राशि-बिगड़े कार्य बनें, कार्य-कुशलता से संतोष तथा सम्पन्नता के कार्य अवश्य बन जायेंगे।

मीन राशि-असमर्थता का वातावरण कष्टप्रद हो, स्त्री वर्ग से हर्ष-उल्लास होगा, वातावरण सुखद होगा।

-अम्बुजा तिवारी

बुजुर्ग दंपति की हत्या के मामले में दो गिरफ्तार

नई दिल्ली, (हि.स.)। उत्तर पश्चिमी जिले के सुभाष प्लेस इलाके में बुजुर्ग दंपति की हत्या के मामले में पुलिस ने दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए बदमाशों की पहचान उत्तम नगर रवि और करण विहार निवासी दीपक उर्फ पंकज के रूप में हुई है। पुलिस ने बदमाशों के कब्जे से चोरी की गई नकदी 30 हजार रुपये, सोने की एक चूड़ी, एक हथौड़ी, एक कट्टा और तीन जिंदा कारतूस बरामद किए हैं।

उत्तर पश्चिमी जिले के एडिशनल डीसीपी सिकंदर सिंह ने बताया कि 18 मार्च को थाना सुभाष प्लेस में एक पीसीआर कॉल प्राप्त हुई। इसमें बताया गया कि मकान संख्या 317, कोहाट एन्क्लेव, पीतमपुरा में एक अज्ञात व्यक्ति ने घर में घुसकर घर में रहने वालों पर हमला किया है। कॉल करने वाले ने घटनास्थल पर एम्बुलेंस भेजने का भी अनुरोध किया।

पीसीआर कॉल मिलते ही पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस को घटनास्थल पर उक्त घर की तीसरी मंजिल पर दो अलग-अलग कमरों में सड़ी-गली अवस्था में दो शव मिले। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नजदीकी अस्पताल के शवगृह में सुरक्षित रखवाया। सुभाष प्लेस थाना पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। जांच में मृतकों की पहचान मोहिंदर सिंह (70) और उनकी पत्नी दलजीत कौर (71) के रूप में हुई। आगे जांच में पता चला कि बुजुर्गों की देखभाल के लिए एक अटेंडेंट था जो घटना के बाद से गायब पाया गया। इससे मामले में और संदेह पैदा हो गया। पूछताछ में मृतक के बेटे मनप्रीत ने अटेंडेंट की पहचान उत्तम नगर निवासी रवि के रूप में की। हालांकि पिछले 3-4 दिनों से रवि ने बुजुर्गों की देखभाल के लिए अपनी जगह किसी दूसरे व्यक्ति को भेज दिया था।

पुलिस ने रवि के घर पर छापा मारा कर उसे पकड़ लिया गया। पूछताछ के दौरान उसने कबूल किया कि उसने अपने दोस्त दीपक के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया हैं। रवि की निशानदेही पर पुलिस टीम ने आरोपित दीपक उर्फ पंकज दबोचा। उसकी तलाशी के दौरान उसके कब्जे से पुलिस ने तीन जिंदा कारतूस और एक कट्टा बरामद किया।

दस लाख के आर्टिफिशियल आभूषण चोरी करने वाले दो चोर समेत तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली, 24 मार्च (हि.स.)। उत्तरी जिले के सदर बाजार थाना इलाके में बैलगाड़ी पर लादे गए आर्टिफिशियल आभूषण के 19 पार्सल चोरी हो गए। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने पीड़ित की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया। पुलिस ने इस मामले में दो चोर समेत तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है।

पकड़े गए आरोपितों की पहचान मो. फरमान (36), ओमकार (35) और रिसीवर मो. हसमुद्दीन (51) के रूप में हुई है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपित मो. फरमान पर पांच और ओमकार पर छह आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपितों के पास से आर्टिफिशियल आभूषण के 19 पार्सल बरामद किए हैं। बरामद पार्सल की कीमत करीब 10 लाख रुपये हैं।

सूडोकु नवताल- 7380

सरल

		6	4		5	8		
9				1				7
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
3				8				9
		8	6		9	5		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- *प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.*
- *प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.*
- *पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .*
- *पहेली का केवल एक ही हल है.*

सूडोकु नवताल -7379 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

दैनिक पंचांग

25 मार्च 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

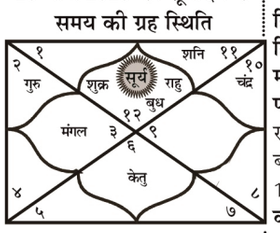

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	07.02 बजे से
चंद्र	मकर में	वृष	08.42 बजे से
मंगल	मिथुन में	मिथुन	10.41 बजे से
बुध	मीन में	कर्क	12.54 बजे से
गुरु	वृष में	सिंह	15.10 बजे से
शुक्र	मीन में	कन्या	17.22 बजे से
शनि	कुंभ में	तुला	19.33 बजे से
राहु	मीन में	वृश्चिक	21.47 ब.से
केतु	कन्या में	धनु	00.03 बजे से
राहुकाल		मकर	02.09 बजे से
3.00 से 4.30 बजे तक		कुंभ	03.55 बजे से
		मीन	05.28 बजे से

मंगलवार 2025 वर्ष का 84 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** बसंत। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** चैत्र (दक्षिण भारत में फाल्गुन) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** एकादशी 03.46 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** श्रवण 03.50 बजे रात्र को समाप्त। **योग** शिव 14.53 बजे को समाप्त। **करण** बव 16.31 बजे तदनन्तर बालव 03.46 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.0 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 01° 49' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872294 **जूलियन दिन** 2460759.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** रमजान **तारीख** 24 **विशेष** पापमोचनी एकादशी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

दिल्ली विधानसभा परिसर में पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने आम आदमी पार्टी के विधायकों के साथ मिलकर विरोध प्रदर्शन किया।

शब्द पहेली - 8442

■	1		2	■	3			4
5	■	■	6			■	■	
	■	7		■	8	9	■	
10	11				■	12	13	
■		■		■	14	■		■
15		16	■	17		18		19
	■	20	21	■	22		■	
	■	■	23			■	■	
24				■	25			■

बाएँ से दाएँ

1. लालसा, मांग-3
3. मोटरगाड़ी-4
6. दरवाजे पर दी गई थाप-3
7. मां की माता-2
8. पार्थिव देह-2
10. संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, माधुरी की फिल्म-5
12. स्वदेश, जन्मभूमि-3
15. पाबंदी, रोक-3
17. आश्चर्यचकित होना-5
20. नासिका-2
22. आनेवाला दिन-2
23. समतल-3
24. शमशीर, कृपाण -4
25. फिजूल, व्यर्थ-3

ऊपर से नीचे

2. दुर्जन, बेइमान-5
3. जिसके सिर पर बल न हो, गंजा-3
4. साहूकार, व्यापारी-4
5. जांच, परीक्षण-3
7. मां के पिता-2
9. लाश-2
11. तरुणी, किशोरी-3
13. कार्यविधि-3
14. बेइज्जत होना-2-3
15. हाथी साधने वाला -4
16. मेहंदी-2
18. ताकत, जोर-2
19. अभिनेत्री-3
21. कमी-3

शब्द पहेली -8441 का हल

प	र	व	र	दि	गा	र	■	■
■	च	■	ह	■	ड़ी	■	अ	■
आ	ना	■	मा	ल	वा	■	दा	म
रा	■	म	न	■	न	ल	■	न
म	ही	न	■	■	■	ल	की	र
दे	■	न	स	■	ह	क	■	ख
ह	त्या	■	र	न	र	■	का	ना
■	ग	■	ह	■	द	■	फि	■
■	■	ब	द	ना	म	क	र	ना

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

Page-03_Layout 1 3/25/2025 3:06 AM Page 1

उत्तराखंड में मदरसों पर ताला लगाने के विरुद्ध जमीअत उलमा-ए-हिंद ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया

नई दिल्ली, (हि.स.)। उत्तराखंड सरकार ने पिछले दिनों राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) की सिफारिश को आधार बनाकर मदरसों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की है। इसके खिलाफ जमीअत उलमा-ए-हिंद सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई है। इस संबंध में मंगलवार, 25 मार्च को सुप्रीम कोर्ट में याचिका की सुनवाई हो सकती है। एनसीपीसीआर ने केन्द्र और राज्यों को निर्देश दिया था कि कथित रूप से शिक्षा का अधिकार एक्ट से संबंध न रखने वाले सभी मदरसों को बंद करा दिए जाए। राष्ट्रीय आयोग ने कहा था कि मदरसों में बच्चों को उचित शिक्षा नहीं दी जा रही है और यह बच्चों के अधिकार के खिलाफ है। आगे यह भी कहा गया था कि मदरसों में बच्चों को न केवल उचित शिक्षा बल्कि स्वस्थ वातावरण और विकास के अच्छे अवसर से भी वंचित रखा जा रहा है। सरकारी अधिकारियों ने उत्तराखंड में बड़े स्तर पर मदरसों के खिलाफ फिर कार्रवाई शुरू कर दी है। जमीअत उलमा-ए-हिंद का कहना है कि अब तक इस कार्रवाई में बिना पूर्व सूचना के बहुत से मदरसों को जबरदस्ती बंद करवा दिया गया, हालांकि यह कार्रवाई सुप्रीम कोर्ट के निर्देश का उल्लंघन है। उल्लेखनीय है कि जब उत्तर प्रदेश में इस प्रकार की पहले कार्रवाई की गई थी तो जमीअत उलमा-ए-हिंद ने इस साजिश को विफल बनाने के लिए मौलाना अरशद मदनी के निर्देश पर सुप्रीम कोर्ट में एक अहम याचिका दाखिल की थी। इसमें उन सभी दावों को चुनौती दी गई थी जिसके बाद अदालत ने उन सभी नोटिसों पर रोक लगा दी जो विभिन्न राज्यों विशेष रूप से उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मदरसों को जारी किए गए थे। उत्तराखंड में मदरसों के खिलाफ इस कार्रवाई को असंवैधानिक बताते हुए आज जमीअत ने इस संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दाखिल की है। जमीअत का कहना है कि उतराखंड में मकतबों और मदरसों, जो केवल मुस्लिम समुदाय के बच्चों को धार्मिक शिक्षा देने के माध्यम हैं, के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप और उन्हें लगातार भयभीत किया जा रहा है।याचिका में कहा गया है कि हमारे मदरसे और मकतब जो शुद्ध रूप से गैर-सहायता प्राप्त अल्पसंख्यक धार्मिक शिक्षा संस्थाएं हैं, यह बिना किसी सरकारी हस्तक्षेप के चल रहे हैं। लेकिन अचानक पहली मार्च 2025 से अब तक सरकारी अधिकारी हमारे मदरसों में आ रहे हैं और हमसे कह रहे हैं कि हमें यह मकतब और मदरसे बंद करने होंगे। जब हमने उनसे किसी नोटिस या सरकारी आदेश के बारे में पूछा तो उन्होंने हमें कुछ भी उपलब्ध नहीं किया। केवल मौखिक रूप से निर्देश दिया कि मदरसा एजूकेशन बोर्ड दोहरादून से गैर-मान्यता प्राप्त मदरसों को धार्मिक शिक्षा देने की अनुमति नहीं है, इसके बाद उन्होंने बिना किसी नोटिस के हमारे मदरसों को सील कर दिया और हमें किसी भी प्रकार का स्पष्टिकरण या आपत्ति करने का अवसर नहीं दिया।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (आर) प्रमुख चिराग पासवान के साथ रमजान के पवित्र महीने में इफ्तार पार्टी के दौरान।

बजट सत्र के दौरान संसद भवन परिसर में समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव अपने सांसदों के साथ।

ग्वालियर की बेटियां आगे आकर प्रदेश और देश ही नहीं सम्पूर्ण विश्व का गौरव बनें : सिंधिया

ग्वालियर, (हि.स.)। केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने कारगर महिला सशक्तीकरण नीति बनाई है, जिसकी बदौलत महिलाएँ हर क्षेत्र में सफलता का परचम लहरा रही हैं। महिलाएं जहां सुखोई, मिग व मिराज जैसे फाइटर विमान उड़ा रही हैं वहीं पूरी मुस्तैदी के साथ सरहद की रक्षा पर भी तैनात हैं। ग्वालियर की बेटियां भी आगे आकर सरकार की योजनाओं का लाभ उठाएं और ग्वालियर, मध्य प्रदेश व देश ही नहीं सम्पूर्ण विश्व का गौरव बनें।

केन्द्रीय मंत्री सिंधिया सोमवार को ग्वालियर में शासकीय विजयाराजे कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय मुरार के वार्षिकोत्सव समारोह में बड़ी संख्या में मौजूद छात्राओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने महाविद्यालय के आचार्यों और छात्राओं को वार्षिकोत्सव की शुभकामनाएं व बधाई दी। इस अवसर पर उन्होंने महाविद्यालय की बालिकाओं से सीधा संवाद कर उन्हें सफलता के मंत्र बताए। साथ ही उनकी जिज्ञासाओं का भी समाधान किया। उन्होंने इस दौरान विजयाराजे कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में लगभग आठ करोड़ रुपये लागत से नवनिर्मित ललितकला संकाय भवन, पुस्तकालय भवन, वाणिज्य प्रथम तल व पुराना भवन का नवीनीकरण एवं विज्ञान भवन प्रथम तल का लोकार्पण भी किया।

वार्षिकोत्सव समारोह में केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, लाड़ली लक्ष्मी व लाड़ली बहना, सुकन्या समृद्धि योजना जैसी तमाम योजनाएं महिलाओं के सशक्तीकरण के लिये संचालित की जा रही हैं। साथ ही ड्रोन दीदी जैसी योजना भी भारत सरकार द्वारा संचालित है। ग्वालियर के एमआईटीएस में ड्रोन प्रशिक्षण कक्षायें संचालित की जा रही हैं। खुशी की बात है कि अमेरिका व यूरोप के विकसित राष्ट्रों में जहां मात्र 5 प्रतिशत महिला पायलट हैं वहीं भारत में 15 प्रतिशत महिला पायलट सफलतापूर्वक विमान उड़ा रही हैं। इससे जाहिर होता है कि भारत की महिला शक्ति तेजी के साथ आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने आह्वान किया कि ग्वालियर की महिलाएं भी आगे आकर सुनीता विलियम की तरह अंतरिक्ष में जाकर तिरंगा लहराएं और संसद में अपने क्षेत्र की आवाज बुलंद करें।

उन्होंने कहा कि आजादी के 75 वर्ष होने पर अमृतकाल के बाद देश शताब्दीकाल की ओर आगे बढ़ रहा है। भारत यह क्षमता रखता है कि वह आर्थिक, विज्ञान व आध्यात्मिक शक्ति के रूप में एशिया ही नहीं सम्पूर्ण विश्व का नेतृत्व करे। भारत को विकास पथ पर तेजी से आगे बढ़ाने के लिये केवल पुरुषों के ही प्रयास पर्याप्त नहीं हैं, इसमें महिलाओं को भी कंधे से कंधा मिलाकर सहयोग करना होगा। उन्होंने रियासतकाल में ग्वालियर में स्थापित हुए विकास के बड़े-बड़े आयामों को भी इस अवसर पर विशेष रूप से रेखांकित किया।

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने ग्वालियर में अत्यधुनिक एयर टर्मिनल, रेलवे स्टेशन, आईएसबीटी व अन्य विकास कार्यों के लिये केन्द्रीय मंत्री सिंधिया के प्रति आभार जताया। साथ ही ग्वालियर के औद्योगिक विकास में और तेजी लाने के लिए शासन स्तर पर प्रयास करने के लिये सिंधिया से विशेष आग्रह किया। उन्होंने कहा कि ग्वालियर सहित सम्पूर्ण प्रदेश के औद्योगिक विकास के लिये मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी प्रतिबद्धता के साथ प्रयासरत हैं। मंत्री तोमर ने केन्द्रीय मंत्री सिंधिया से आग्रह किया कि ग्वालियर का इस तरह से औद्योगिक विकास हो, जिससे यहां की प्रतिभा को रोजगार व नौकरी की तलाश में अन्य शहरों में न जाना पड़े।

समारोह में भाजपा जिला अध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया ने भी विचार व्यक्त किए। आरंभ में केन्द्रीय मंत्री सिंधिया सहित अन्य अतिथियों ने महाविद्यालय परिसर में महात्मा गांधी एवं राजमाता विजयाराजे सिंधिया की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। सिंधिया ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, भाजपा जिला अध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया, पूर्व मंत्री सुरेश धाकड़, पूर्व विधायक मुन्नालाल गोयल, विनोद शर्मा, अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा के रत्नम व महाविद्यालय की प्राचार्य ज्योति उपाध्याय उपस्थित रहीं। महाविद्यालय की प्राचार्य ज्योति उपाध्याय ने स्वागत उदबोधन दिया। इस अवसर पर महाविद्यालय का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया।

सीबीआई ने किया एनएचएआई के जीएम को 15 लाख की रिश्वत लेते गिरफ्तार, 1.18 करोड़ बरामद

पटना, लखनऊ, (हि.स.)। पटना में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई)के ठेके में भ्रष्टाचार का बड़ा खुलासा किया है। सोमवार को एनएचएआई के पटना क्षेत्रीय कार्यालय के महाप्रबंधक (जीएम) को 15 लाख रुपये रिश्वत लेते रंगेहाथ पकड़ा। इस मामले में महाप्रबंधक समेत चार आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। साथ ही तलाशी के दौरान उनके पास से 1.18 करोड़ रुपये कैश भी बरामद किया गया है।

दरअसल सीबीआई ने 22 मार्च को 12 आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया था। इनमें छह सरकारी अधिकारी और निजी कंपनी के प्रतिनिधि भी शामिल थे। इन पर आरोप है कि एनएचएआई के अधिकारी और प्राइवेट कंपनी के लोग ठेके के भुगतान पास कराने के लिए रिश्वत ले रहे थे। 15 लाख रुपये की रिश्वत पटना में एनएचएआई के महाप्रबंधक को दी जानी थी। जैसे ही महाप्रबंधक ने रिश्वत की रकम ली तभी सीबीआई ने जाल बिछाकर एनएचएआई के महाप्रबंधक और रिश्वत देने वाले अधिकारी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के उनके संपर्क रखने वाले लोगों के बारे में पता किया। इसके बाद सीबीआई की टीमों ने पटना स्थित मेसर्स राम कृपाल सिंह कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड के साथ ही मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, बेगूसराय, पूर्णिया, रांची और वाराणसी में एक साथ छापेमारी की। इस कार्रवाई में जहां 1.18 करोड़ रुपये कैश जब्त किया गया, वहीं कई डिजिटल डिवाइस और दस्तावेज भी सीबीआई की टीम ने बरामद किए।

सीबीआई के मुताबिक कि जिन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, उनमें एनएचएआई के महाप्रबंधक रामप्रीत पासवान, मेसर्स राम कृपाल सिंह कंस्ट्रक्शन के महाप्रबंधक सुरेश महापात्रा एवं कर्मचारी चेतन कुमार व बरुण कुमार भी शामिल हैं। इसके अलावा 12 लोगों के खिलाफ एफआइआर दर्ज की गई है। इनमें एनएचएआई के मुख्य महाप्रबंधक वाईबी सिंह, उप महाप्रबंधक कुमार सौरभ, पूर्णिया, परियोजना निदेशक (पीडी),ललित कुमार (पीआईयू), दरभंगा/मुजफ्फरपुर, अंशुल ठाकुर, साइट इंजीनियर परियोजना कार्यान्वयन इकाई (पीआईयू), दरभंगा-मुजफ्फरपुर, हेमेन मेधी, एजीएम, लेखा, क्षेत्रीय कार्यालय पटना, अमर नाथ झा, महाप्रबंधक (जीएम), मेसर्स राम कृपाल सिंह कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड, सत्य नारायण सिंह उर्फ पप्पू सिंह ठेकेदार, मुजफ्फरपुर, मेसर्स राम कृपाल सिंह कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड और अज्ञात अन्य लोक सेवक और निजी व्यक्ति शामिल हैं।

आगामी योग दिवस को लेकर देशभर में कार्यक्रम शुरू, मेघालय के लिविंग ब्रिज पर किया योग

नई दिल्ली, (हि.स.)। आगामी योग दिवस के लिए देशभर में आयोजित हो रहे योग कार्यक्रमों के तहत पूर्वोत्तर आयुर्वेद एवं होम्योपैथी संस्थान ने सोमवार को मेघालय के नोंग्रियाट में डबल डेकर लिविंग रूट ब्रिज पर योग कार्यक्रम का आयोजन किया। यह प्रतिभागियों के लिए अपने आप में अनूठा अनुभव रहा। आयुष मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि योग धैर्य, शक्ति और संतुलन का प्रतीक है। यह कार्यक्रम इस बात का प्रतीक है कि कैसे प्राचीन ज्ञान आधुनिक स्वास्थ्य के साथ सहजता से मिलकर जीवन जीने के लिए प्रेरित कर सकता है। इसके साथ इस प्राचीन पुल पर किए गए प्रत्येक आसन से संदेश स्पष्ट है कि योग केवल स्टूडियो तक सीमित नहीं है। उल्लेखनीय है कि लिविंग रूट ब्रिज यूनेस्को की विश्व धरोहर में शामिल होने की प्रक्रिया में है। यह ब्रिज रबर और अंजीर के पेड़ों की जड़ों से पूरी तरह प्रकृति रूप से बुना गया है, जो एक जीवंत मार्ग बनाता है और समय के साथ मजबूत होता जाता है। मंत्रालय ने बताया कि इस पुल पर योग कार्यक्रम का आयोजन इस बात का प्रतीक है कि कैसे योग सिर्फ एक अभ्यास से कहीं ज्यादा प्रकृति के साथ तालमेल बिठाने वाली ज़िंदगी जीने का तरीका है। वर्ष 2014 में संयुक्त राष्ट्र की ओर से 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किए जाने के बाद से भारत ने अपने कुछ सबसे प्रतिष्ठित स्थलों पर योग सत्र आयोजित करके दुनिया के योग अनुभव को फिर से परिभाषित किया है। ताजमहल से लेकर कोणार्क सूर्य मंदिर तक, गेटवे ऑफ इंडिया से लेकर लाल किले तक, हर जगह इतिहास, संस्कृति और खुशहाली की कहानी बयां करती है।

पश्चिम बंगाल में 350 से अधिक मोतियाबिंद सर्जरी, नेपाल के पूर्व सैनिकों को भी मिला लाभ

कोलकाता, (हि.स.)। भारतीय सेना ने पश्चिम बंगाल के बागडोगरा स्थित 158 बेस अस्पताल में नेत्र चिकित्सा शिविर का सफल आयोजन किया। 20 से 24 मार्च तक चले इस विशेष शिविर में 1,752 भूतपूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों की आंखों की जांच हुई, जबकि 350 से अधिक मोतियाबिंद सर्जरी की गईं। इस पहल के तहत नेपाल के 17 पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों का भी मुफ्त इलाज किया गया।

इस शिविर में आर्मी हॉस्पिटल (रिसर्च एंड रेफरल), नई दिल्ली; बेस हॉस्पिटल, दिल्ली कैंट और कमांड हॉस्पिटल, लखनऊ की विशेषज्ञ चिकित्सा टीम ने योगदान दिया। शिविर के दौरान मरीजों को उच्च-गुणवत्ता वाले लेंसों और आधुनिक उपकरणों का उपयोग कर बेहतरीन नेत्र चिकित्सा सुविधा दी गई। साथ ही 500 से अधिक उच्च-मानक चश्मे भी निःशुल्क वितरित किए गए।

इस शिविर का एक महत्वपूर्ण पहलू नेपाल के पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों का इलाज रहा। इनमें से कुछ को निःशुल्क मोतियाबिंद सर्जरी भी उपलब्ध कराई गई। सेना ने यह सुनिश्चित किया कि इन पूर्व सैनिकों को बिना लंबी यात्रा किए सर्वोत्तम चिकित्सा देखभाल मिल सके। इस पहल का नेतृत्व आर्मी हॉस्पिटल के नेत्र रोग विभाग प्रमुख और वरिष्ठ नेत्र शल्य चिकित्सक ब्रिगेडियर संजय कुमार मिश्रा ने किया। उन्हें अब तक एक लाख से अधिक मोतियाबिंद, विट्रोरेटिनल, अपवर्तक और ग्लूकोमा सर्जरी करने का श्रेय प्राप्त है। उन्होंने कहा कि यह शिविर पूर्व सैनिकों के लिए विश्व स्तरीय नेत्र चिकित्सा सुविधा उनके दरवाजे तक पहुंचाने की प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

इस शिविर का आयोजन पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस के अनुरोध पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी के निर्देशों के तहत किया गया। इसका उद्देश्य पूर्वी भारत के दिग्गज सैनिकों को सर्वोत्तम नेत्र चिकित्सा सेवा प्रदान करना था।

लखनऊ। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय व नेता आराधना मिश्रा (मोना) प्रदेश कार्यालय में पत्रकारों को संबोधित करते हुए।

नौसेना का जहाज 'सुनयना' नौ मित्र देशों के साथ दक्षिण-पश्चिम आईओआर में तैनात होगा

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय नौसेना अप्रैल में अपने जहाज 'सुनयना' की तैनाती नौ मित्र देशों के साथ दक्षिण-पश्चिम आईओआर में करेगी। एक महीने से अधिक समय तक यह जहाज कोमोरोस, केन्या, मेडागास्कर, मालदीव, मॉरीशस, मोजाम्बिक, सेशेल्स, श्रीलंका, दक्षिण अफ्रीका के संयुक्त चालक दल के साथ तैनात रहेगा। इस दौरान यह जहाज दार-एस-सलाम, नकाला, पोर्ट लुइस, पोर्ट विक्टोरिया और माले में बंदरगाहों पर जाएगा और तंजानिया, मोजाम्बिक, मॉरीशस और सेशेल्स के विशेष आर्थिक क्षेत्रों (ईईजेड) की संयुक्त निगरानी करेगा।

नौसेना पिछले दस वर्षों में समुद्री सुरक्षा को बढ़ाने के लिए हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) की समुद्री एजेंसियों के साथ अपनी साझेदारी को मजबूत किया है। इसके अलावा संयुक्त नौसैनिक अभ्यास, समन्वित गश्त, सूचना साझाकरण, एचएडीआर प्रयास, क्षमता निर्माण और अन्य राजनयिक जुड़ाव जैसी कई पहलों पर आईओआर देशों की नौसेनाओं के साथ सहयोग किया जा रहा है। हाल ही में मॉरीशस की यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने समुद्री क्षेत्रों में सुरक्षा के लिए पारस्परिक और समग्र उन्नति की घोषणा की है, जिसके बाद भारतीय नौसेना पहली बार आईओएस सागर और एआईकेवाईएमई की पहल शुरू कर रही है। इसका उद्देश्य भारतीय नौसेना के कद को हिंद महासागर क्षेत्र में 'पसंदीदा सुरक्षा साझेदार' और 'प्रथम प्रक्रिया कर्ता' के रूप में मजबूत करना है।

नौसेना के अनुसार आईएनएस सुनयना को नौ मित्र देशों कोमोरोस, केन्या, मेडागास्कर, मालदीव, मॉरीशस, मोजाम्बिक, सेशेल्स, श्रीलंका, दक्षिण अफ्रीका के संयुक्त चालक दल के साथ दक्षिण-पश्चिम आईओआर में तैनात किया जा रहा है। जहाज को अगले माह अप्रैल में एक महीने से अधिक समय के लिए तैनात करने की योजना है। इस दौरान यह जहाज दार-एस-सलाम, नकाला, पोर्ट लुइस, पोर्ट विक्टोरिया और माले में बंदरगाहों पर जाएगा और तंजानिया, मोजाम्बिक, मॉरीशस और सेशेल्स के विशेष आर्थिक क्षेत्रों (ईईजेड) की संयुक्त निगरानी करेगा। आईओएस सागर के प्रतिभागियों को तंजानिया के दार-एस-सलाम में अभ्यास एआईकेईवाईएमई के बंदरगाह चरण की गतिविधियां देखने का मौका मिलेगा।

अफ्रीकी देशों के साथ बड़े पैमाने पर बहुपक्षीय समुद्री जुड़ाव अभ्यास को 'अफ्रीका इंडिया की मैरीटाइम एंगेजमेंट' नाम दिया गया है, जिसे 'एआईकेईवाईएमई' के रूप में भी जाना जाता है, जिसका संस्कृत में अर्थ 'एकता' है। भारतीय नौसेना और तंजानिया पीपुल्स डिफेंस फोर्स (टीपीडीएफ) की मेजबानी में पहला अभ्यास तंजानिया के दार-एस-सलाम में आयोजित किया जाएगा और इसका उद्घाटन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे। यह अभ्यास छह दिनों तक चलेगा और इसमें कोमोरोस, जिबूती, इरीट्रिया, केन्या, मेडागास्कर, मॉरीशस, मोजाम्बिक, सेशेल्स और दक्षिण अफ्रीका की भागीदारी होगी।

Page-04_Layout 1 3/24/2025 11:23 PM Page 1

सम्पादकीय

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के उचित निर्णय

कनर्नाटक की राजधानी बेंगलूरू में विगत दिवस राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की तीन दिवसीय बैठक सम्पन्न हो गई। संघ की इस बैठक के निर्णयों को लेकर पूरे देश की नजर थी। आरएसएस की इस बैठक का महत्व इसलिए और बढ़ गया है कि उसके ही आनुषंगिक संगठन भारतीय जनता पार्टी के केन्द्र सहित देश के आधिकांश प्रदेशों में सरकारें है। ऐसा माना जाता है कि संघ के निर्णयों के अनुरूप ही भाजपा की सरकारों की नीतियां तय होती है। इस बैठक में संघ प्रमुख सहित उसके 36 आनुषंगिक संगठनो, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, संगठन महासचिव बी.एल. संतोष ने भाग लिया।

संघ के सरकार्यवाह दत्ताजी होसबोले ने अपनी पत्रकार वार्ता में जो बातें कहीं वे अत्यंत महत्वपूर्ण और सामयिक हैं। संघ ने धर्म के आधार पर आरक्षण दिये जाने का विरोध करते के हुए स्पष्ट किया है कि बाबा साहेब भीम राव आंबेडकर द्वारा लिखित संविधान में धमार्धारित आरक्षण को स्वीकार नहीं किया गया है। ऐसा करने वाला कोई भी व्यक्ति हमारे संविधान निमार्ता के खिलाफ जा रहा है।

संघ के अनुसार कूर मुगल शासक औरंगजेब का महिमा मंडन किया जा रहा है जब सामाजिक सद्भाव में विश्वास करने वाले उसके भाई दाराशिकोह का नहीं। संघ यह मानना कि आक्रमणकारी मानसिकता' वाले लोग भारत को खतर पैदा करते है, हमें उन लोगों के साथ खड़ा होना चाहिए जो भारतीय मूल्यों का समर्थन करते हैं।

हिंदुओं की छाती में घुसा नेजा (भाला) योगी जी ने निकाल दिया

दिलीप पाण्डेय

संभल के एएसपी श्रीशचंद का एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें उन्होंने गाजी सालार मसूद की याद में मेला लगाने वाली कमेटी के मौलानाओं को जमकर फटकारा है और मेले की अनुमति देने से इनकार कर दिया है। ये मेला सदियों से लगता आ रहा था जिसे नेजा मेला कहा जाता है।

1949 में जब बंटवारा हुए 2 साल हुए थे तब यूपी के अंदर ही हिंदू महासभा ने हुंकार भरी थी कि अब नेजा मेला नहीं लगने देंगे, तब भारतीय मुसलमान डरे हुए थे क्योंकि पाकिस्तान बने 2 साल हुए थे, नेजा कमेटी ने खुद प्रशासन के पास जाकर कहा था कि अब हम नेजा मेला नहीं लगाएंगे लेकिन उस वक्त नेहरू की शह पर कांग्रेसियों ने धरना देकर नेजा मेला करवाने के लिए प्रशासन पर दबाव बढ़ाया जिसके बाद हिंदू महासभा की नहीं चली और नेजा मेला लगा।

भारत के इतिहास में ये पहली बार है जब किसी हिंदुओं के राजर्षि (योगी आदित्यनाथ) ने नेजा मेला को पूरी तरह से बंद करवा दिया है। सोमनाथ के लुटेरे गाजी सालार मसूद का जिक्र करते हुए योगी आदित्यनाथ ने ब्लैक एंड वाइट बयान दिया है कि आक्रांताओं का महिमामंडन देशद्रोह है । बहराइच में लगने वाले गाजी सालार मसूद का उर्स भी प्रतिबंधित हो सकता है। हिंदू संगठनों ने बहराइच के थानों में प्रार्थना पत्र देने शुरू कर दिए हैं। योगी जी का मैसेज लाउड एंड क्लीयर है।

यहां समझना जरूरी है कि आखिर कौन था गाजी सालार मसूद। गाजी सालार मसूद के पिता का नाम सालार साहू था और वो सोमनाथ के लुटेरे महमूद गजनबी का सेनापति था। उसकी हिंदुओं को लूटने पीटने की क्रूरता को देखते हुए महमूद गजनबी ने अपनी बहन की शादी सालार साहू से कर दी थी। इसी सालार साहू और गजनबी की बहन से पैदा हुआ था, गाजी सालार मसूद।

गाजी सालार मसूद 20 साल की उम्र में बहराइच की जंग में श्रावस्ती बहराइच के राजा सुहेलदेव से जंग करते हुए मारा गया था। आज भी उसकी मजार बहराइच में ही मौजूद है। आइए जरा इतिहास को समझने के लिए कुछ महत्वपूर्ण तारीखों को पढ़ लेते हैं।

1014 ईस्वी- अजमेर में गाजी सालार मसूद का जन्म

1025 ईस्वी- गजनबी ने सोमनाथ मंदिर तोड़ा लूटा, उस वक्त गाजी सालार मसूद की उम्र 9 साल थी और जब गजनबी ने अपने साथियों से पूछा कि क्या सोमनाथ का शिवलिंग तोड़ना चाहिए तब 2 लोगों ने इसका विरोध किया था हालांकी उस वक्त भी 9 साल का ये सालार मसूद इतना जिहादी था कि उसने अपने मामाजान गजनबी से शिवलिंग तोड़ने के लिए कहा था। मामाजान ने अपने भांजे की बात मान ली।

1030 ईस्वी- इस वक्त गाजी सालार मसूद की उम्र 16 साल थी और इसी साल उसके मामा महमूद गजनबी की गजनी में मौत हो गई थी जिसके बाद गजनबी का सबसे बड़ा बेटा मसूद गद्दी पर बैठा। मसूद ने अपने दरबार में इच्छा जताई कि एक बार फिर भारत को लूटा जाए। उसने अपने फूफा सालार साहू को आदेश दिया तो उसने इनकार कर दिया। तब उसने अपने फुफेरे भाई गाजी सालार मसूद को आदेश दिया तो वो भारत पर आक्रमण के लिए तैयार हो गया। इस वक्त उसकी उम्र सिर्फ 16 साल थी लेकिन वो कच्ची उम्र में भी कितना कट्टर था आप समझ सकते हैं।

1031 ईस्वी- सालार मसूद ने सिंधु नदी पार की और सबसे पहले उसका मुकाबला आनंदपाल और अर्जुन पाल से हुआ। पहले वो जंग हारा लेकिन फिर गजनी से और सेना मंगवाकर जंग जीत ली । इसके बाद उसका मुकाबला दिल्ली में महिपाल तोमर से हुआ पहले मुकाबले में वो हारा दूसरे में जीत गया। फिर वो मेरठ में हरिदत्त नामके एक शासक को हराकर इस्लाम कबूल करवाने में कामयाब रहा। इसके बाद वो कन्नौज बुलंदशहर में प्रतिहार वंश के राजाओं पर आसान विजय प्राप्त करते हुए अयोध्या में विध्वंस मचाते हुए बहराइच के मैदानों में आ धमका जहां उसका मुकाबला राजा सुहेलदेव से तय हो गया।

1034 ईस्वी- बैटेल ऑफ बहराइच-इस वक्त सालार मसूद की उम्र करीब 20 साल की थी। राजा सुहेलदेव की सबसे बड़ी कामयाबी ये थी कि वो 21 हिंदू राजाओं को एक साथ मिलाने में कामयाब हुए। बंटोगे तो कटोगे के मंत्र को चरितार्थ करते हुए एक सम्मिलित हिंदू सेना तैयार हो गई। जिसने डेढ लाख अफगानों को गाजर मूली की तरह काट डाला। क्योंकि सुहेलदेव का आदेश एकदम साफ था एक भी अफगान बचना नहीं चाहिए। इस जंग का वर्णन करते हुए मिलाते मसूदी का रचयिता अब्दुल रहमान चिश्ती 1620 में लिखता है कि ये युद्ध इस्लाम के लिए विनाशक साबित हुआ। सुहेलदेव ने अपने पराक्रम से भारत में कई सौ सालों के लिए इस्लाम के सूरज को अस्त कर दिया । आगे चिश्ती ये भी कहता है कि गजनी का ऐसा कोई घर नहीं था जिसका बेटा इस जंग में मारा ना गया हो। इसके बाद डेढ़ सौ सालों तक भारत पर हमला करने की हिम्मत कोई हमलावर नहीं जुटा पाया। लेकिन इस युद्ध को भारत के इतिहास की किताबों में पढाया ही नहीं जाता है।

आरएनआई नं. DELHIN/2009/28518 स्वामी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक रमाकांत पाण्डेय द्वारा दिव्य भारत प्रकाशन के लिए न-93 डी नारायण नगर दिल्ली से प्रकाशित एवं बीएफल इंफोटेक लि., प्रेस, सी-9 सेक्टर 3 नोएडा से मुद्रित। सम्पादक : रमाकांत पाण्डेय, कार्यकारी सम्पादक : आलोक पाण्डेय, फोन : 7701825882, 7905152597, पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन एवं प्रकाशन के लिए उत्तरदायी।
E-mail : newdibyabharat@gmail.com

भारत तो स्वाभाविक रूप में प्रसन्न राष्ट्र है

हृदयनारायण दीक्षित

प्रसन्नता की माप असंभव है। कोई साधारण व्यक्ति अपने घर, परिवार और पेशे से संतुष्ट है। वह गीत गाता मिलेगा। कोई व्यक्ति तमाम साधनों के बावजूद तनाव में है। वह अप्रसन्न दिखाई पड़ेगा। प्रसन्नता मापने का कोई उपकरण नहीं है। इसलिए ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के वेल्बीइंग रिसर्च सेंटर की प्रसन्नता मापने की रिपोर्ट को पढ़कर मजा लिया जा सकता है। ऐसी रिपोर्ट्स हर साल जारी होती हैं। ताजा रिपोर्ट में पाकिस्तान को भारत की तुलना में ज्यादा प्रसन्न बताया गया है। सबकी खुशी अलग-अलग होती है। पाकिस्तान में सेना और आईएसआई सबको खुश रखती है। आतंकवाद का संरक्षण भी पाकिस्तान की खुशी का कारण हो सकता है। प्रसन्न और अप्रसन्न होने का कोई पैमाना नहीं है। प्रसन्नता को मापने के लिए 6 प्रमुख आधार बताए गए हैं। पहला सामाजिक सहयोग है। आय, स्वास्थ्य, स्वतंत्रता, उदारता और भ्रष्टाचार की अनुपस्थिति भी आधार हैं। ताजा रिपोर्ट में फिनलैंड प्रथम है। डेनमार्क दूसरा है। तीसरा आइसलैंड है। रिपोर्ट में अफगानिस्तान को सबसे बुरा प्रदर्शनकर्ता बताया गया है। 147 देशों की सूची में भारत को 118वां स्थान दिया गया है। वर्ष 2022 में भारत 94वें स्थान पर था। रिपोर्ट की मानें तो भारत नेपाल, चीन जैसे पड़ोसी देशों से भी पीछे है। राष्ट्रीय प्रसन्नता सूचकांक की धारणा 1972 में भूटान से प्रारंभ हुई थी। वैश्विक प्रसन्नता के यह आंकड़े भारतीय परिस्थितियों में उचित नहीं जान पड़ते। भारत सभी क्षेत्रों में प्रतिष्ठित है और राष्ट्र के अभ्युदय के लिए प्रयासरत है। भारत स्वाभाविक रूप में प्रसन्न राष्ट्रीयता है।

प्रसन्नता भाव है। निस्संदेह आय आदि उपलब्धियां प्रसन्न होने का अवसर देती हैं। लेकिन सामान्य जरूरतों के आधार पर पूरे देश को प्रसन्न या अप्रसन्न नहीं कहा जा सकता। प्रसन्नता आंतरिक सुखानुभूति है। यह कार-बंगला जैसी उपलब्धि नहीं है। प्रसन्नता अस्तित्व की प्रीति का परिणाम होती है। ऋग्वेद में सोम देवता से की गई एक स्तुति में 'मुद मोद प्रमोद' एक साथ मांगे गए हैं। ऋषि कहते हैं, 'उन्हें ऐसे क्षेत्र में रहने का अवसर दें जहां मुद मोद प्रमोद एक साथ हों।' इसी स्तुति में वे जल भरी नदियों की भी प्रार्थना करते हैं और सुन्दर राजव्यवस्था की भी। फिर अन्न और दूध की भी स्तुति करते हैं। वे सारी दुनिया की प्रसन्नता चाहते हैं।

आवश्यक वस्तुओं का अभाव दुखी करता है। वैसे अभाव भी भाव है। प्रत्यक्ष जगत में अभाव कोई वस्तु या पदार्थ नहीं है। किसी वस्तु या पदार्थ का न होना अभाव कहा जाता है। वैशेषिक दर्शन में अभाव को भी एक पदार्थ माना गया है और उसके प्रभाव की चर्चा भी की गई है। सब प्रसन्न रहना चाहते हैं। अभाव दुखी करता है। लेकिन दुख का अभाव प्रसन्नता कहा जाता है।

सुख का कारण दुख का अभाव भी हो सकता है। रिपोर्ट की माने तो भारत अतिक्षुब्ध अप्रसन्न देश है। प्रसन्नता के अवसर भारत में हैं ही नहीं। वैदिक ऋषि 100 वर्ष की स्वस्थ आयु चाहते थे। उन्होंने 100 वर्ष तक स्वस्थ रहने और प्रसन्न रहने की स्तुतियां की थीं। ईशावास्योपनिषद के पहले मंत्र में ही सतत कर्म करते हुए 100 वर्ष के जीवन की प्रार्थना की गई है। प्रसन्नता के मानकों में स्वतंत्रता भी है। स्वतंत्रता आनंद के अवसर देती है। यहां के संविधान में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है और अंतःकरण व आस्था की भी। भारतीय संस्कृति दर्शन में प्रसन्न होना आध्यात्मिक भाव है। गीता में इच्छा शून्य चित्त दशा को महत्वपूर्ण बताया गया है। तैत्तिरीय उपनिषद में सुख और आनंद की गहन मीमांसा है। यहां आनंद के अनेक भौतिक स्रोत बताए गए हैं। गीत संगीत और कला भी आनंद के स्रोत हैं। ऐसे स्रोतों का उल्लेख करते हुए ऋषि कहते हैं, "कामना शून्य ज्ञानी प्रसन्नता के वाह्य उपकरणों की तुलना में इच्छाशून्यता में सहस्त्रों गुना आनंद पाते हैं।"

सामूहिक जीवन की महत्ता वैदिक काल से ही है। सामूहिकता में प्रसन्नता का प्रसाद होता है। भारत में प्रतिपल उत्सव हैं। तमाम पर्व और त्यौहार हैं। तीर्थाटन हैं। उत्सव आनंदधर्म हैं। होली, दीपावली, विजयदशमी, बुद्ध पूर्णिमा, नागपंचमी, रक्षाबंधन जैसे सहस्त्रों उत्सव प्रसन्नता देते हैं। लेकिन यूरोपीय, अमेरिकी सरोकारों के चलते यहां भौतिक उपकरणों से प्रसन्न होने की आदत बढ़ रही है। कुछ लोग इसे आधुनिकता कहते हैं। विदेशी सभ्यता का अनुसरण आधुनिकता नहीं है। भारत की आधुनिकता प्राचीनता का ही विस्तार होनी चाहिए। उधर की आधुनिकता नहीं। प्रसन्न राष्ट्रीयता ने ही धरती से लेकर आकाश तक प्रसन्न होने के आलम्बन खोजे हैं। हम नदियां देखते हैं। चित्त प्रसन्न हो जाता है। अथर्ववेद के ऋषि को नदियां नाद करते दिखाई सुनाई पड़ती हैं। ऋषि नदी से कहते हैं, "हे सरिता आप नाद करते हुए बहती हैं। इसलिए आप का नाम नदी है। आकाश में मेघ आते हैं। वे सुन्दर लगते हैं। प्रसन्न करते हैं। वर्षा आती है। प्रसन्न रस से भिगो देती है। पेड़ पौधे भी वर्षा से प्रसन्न दिखाई पड़ते हैं।"

भारत स्वाभाविक रूप में प्रसन्न राष्ट्र है। ज्ञान प्रसन्न करता है। धर्म प्रसन्न करता है। ऋग्वेद के अनुसार राष्ट्र भी प्रसन्न करता है। कर्तव्य पालन में प्रसन्नता है। दुनिया को एक परिवार जानने का राष्ट्रभाव प्रसन्न करता है। इतिहासबोध में राष्ट्रीय गौरव के तमाम अमृत कथानक हैं। वे प्रसन्न करते हैं। जीवन के लिए मूलभूत आवश्यकताएं भी अनिवार्य होती हैं। वे कभी-कभी दुख देती हैं। लेकिन इनका अर्जन भी प्रसन्न राष्ट्रीयता के द्वारा ही होता है। परिवार प्रसन्न करता है। सुयोग्य पुत्र प्रसन्न करते हैं। विवाह प्रसन्न करता है। विवाह का अनुष्ठान बारात है। बारात प्रसन्न करती है। पिता का संरक्षण प्रसन्न करता है। पुत्र की प्रसन्नता प्रसन्न करती है। मां का आशीष प्रसन्न करता है। शुद्ध अंतःकरण प्रसन्न करता है। सांस्कृतिक संस्थाएं प्रसन्न करती हैं। वेद प्रसन्न करते हैं। उपनिषद प्रसन्न करते हैं। संविधान प्रसन्न करता है।

प्रकृति के सभी अंग आनंद से भरे पूरे हैं। जीवन का प्रत्येक क्षण प्रसन्नता का नाद है। अविरल प्रसन्नता हम सब का जन्मजात अधिकार है। दुनिया की किसी भी सभ्यता में प्रसन्न देवता नहीं दिखाई पड़ते। भारत में श्रीकृष्ण नाचते गाते देवता हैं। शिव स्वयं नाचते हैं और अपने गणों को नचाते हैं। वे गणों के साथ नाचते भी हैं। सोम भी नाचते हुए प्रवाहमान होते हैं। नाचते हुए शिव या श्रीकृष्ण जैसे देवता अन्य संस्कृतियों में नहीं है। वरुण, वायु, मरुद्गण आदि वैदिक देवता प्रसन्न ही दिखाई पड़ते हैं। प्रकृति प्रतिपल नई है। हम सब भी प्रत्येक क्षण नए हैं। वर्तमान नूतन है। हमारी आस्तिकता में प्रसन्नता अन्तर्निहित है। प्रकृति स्वयं प्रसन्न है और हम सबको प्रसन्न रखना चाहती है। प्रसन्नता हम सबको भीतर और बाहर से आच्छादित करती है। भारतीय धर्म दर्शन की आस्तिकता में प्रसन्नता के सूत्र हैं। यहां फल की इच्छा से रहित सतत कर्म प्रसन्नता का मूलाधार है। परिणाम की इच्छा से रहित व्यक्तिगत और राष्ट्रीय कर्तव्यों का निर्वहन प्रसन्नता पैदा करता है। आशा प्रसन्न करती है। धैर्य प्रसन्न करता है। वैश्विक संगठनों की रिपोर्ट के निष्कर्ष यहां लागू नहीं किए जा सकते हैं।

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

'रागनी' को लुप्त होने से बचाने की जरूरत

डॉ. सत्यवान सौरभ

हरियाणा की लोक संस्कृति में रागनी महत्वपूर्ण स्थान रहा है। यह न केवल मनोरंजन का माध्यम रही है, बल्कि सामाजिक संदेश देने, वीर रस जगाने और लोक इतिहास को संजोने का एक प्रभावशाली जरिया रही है। रागनी लोगों को बुराइयों के खिलाफ खड़ा करने का माध्यम भी रही है। इसके प्रचार-प्रसार में जाहरवीर कल्लू खां, अजीत सिंह गोरखपुरिया, दयाचंद लांबा, राजेंद्र खड़खड़ी, जसमेर खरकिया, सुरेंद्र भादू, सूरजभान बलाली, मामन खान, सतीश ठेठ, कविता कसाना के साथ-साथ और भी कई महान कलाकारों का योगदान रहा है। आज भी कई युवा कलाकार रागनी को आगे बढ़ा रहे हैं और इसे डिजिटल मंचों के माध्यम से नई ऊंचाइयों तक ले जाने का प्रयास कर रहे हैं। रागनी को जीवित रखने में संदीप सरगथलिया, वीर सिंह फौजी, धर्मवीर नागर, राजबाला, मास्टर छोटूराम बड़वा जैसे कई कलाकारों की महत्व पूर्ण भूमिका रही है। इनकी मेहनत और समर्पण से ही यह लोककला जीवित है, हालांकि इसे और संरक्षण और प्रोत्साहन की जरूरत है। संकट यह है कि आज यह धीरे-धीरे लुप्त हो रही है।

रागनी हरियाणवी लोकगीतों और कविताओं का एक विशिष्ट रूप है, जिसे मुख्य रूप से हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और राजस्थान के कुछ हिस्सों में गाया जाता है। इसमें वीरता, प्रेम, भक्ति, सामाजिक मुद्दों और ऐतिहासिक घटनाओं का चित्रण किया जाता है। पहले यह कला अखाड़ों और मेलों में बहुत लोकप्रिय थी, जहां गायक अपनी आवाज और जोश के साथ लोगों को मंत्रमुग्ध कर देते थे। रागनी के माध्यम से महिलाओं के अधिकारों, शिक्षा और समानता पर जोर दिया गया। कई लोकप्रिय रागनियों में बाल विवाह, दहेज प्रथा और महिलाओं पर अत्याचारों का विरोध किया गया है। ₹बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ₹ जैसे संदेशों को रागनी ने जन-जन तक पहुंचाया। हरियाणवी समाज में जातिगत भेदभाव को खत्म करने और समानता का संदेश देने में रागनी की महती भूमिका रही है। कई प्रसिद्ध रागनियों का संदेश है कि सभी मनुष्य समान हैं और कर्म को जाति से ऊपर रखना चाहिए। रागनी के माध्यम से शराब, जुआ और अन्य नशों की लत से बचने के संदेश दिए गए। मसलन- ₹सुणले रे छोरे, बीड़ी-सिगरेट मत पीजा, तन्ने मां-बाप सूं किट्टे तै प्यारा..₹ हरियाणा की ग्रामीण जनता के लिए रागनी ताकत रही है। इसमें किसानों की समस्याओं और मजदूरों के अधिकारों को आवाज दी गई है।

ब्रिटिश राज के दौरान रागनी स्वतंत्रता सेनानियों के लिए एक प्रभावशाली हथियार बनी। लोकगायक अपनी रचनाओं के माध्यम से जनता में देशभक्ति की भावना भरते थे और अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह का आह्वान करते थे। आज के दौर में भी रागनी समाज सुधार का माध्यम बनी हुई है। डिजिटल मीडिया और मंचों पर युवा कलाकार सामाजिक मुद्दों पर रागनी प्रस्तुत कर रहे हैं। हरियाणवी लोक संस्कृति की पहचान रागनी समय के साथ लुप्त होती जा रही है। कभी चौपालों, मेलों और अखाड़ों में गूंजने वाली यह कला अब केवल कुछ पुराने कलाकारों और रसिकों तक सीमित रह गई है। इसके लुप्त होने के पीछे कई सामाजिक, सांस्कृतिक और तकनीकी कारण जिम्मेदार हैं। पहले के समय में गांवों में बैठकर बुजुर्ग अपनी अगली पीढ़ी को लोकगीत और रागनी सिखाते थे, लेकिन अब यह परंपरा समाप्त हो रही है। लोकगीतों और रागनी को नयी शैली में ढालने का प्रयास कम हुआ है, जिससे यह लोगों के लिए कम प्रासंगिक हो गई है। नवीन मनोरंजन साधनों टीवी, इंटरनेट और पॉप संस्कृति के बढ़ते प्रभाव के कारण युवा पीढ़ी लोककला से दूर होती जा रही है।

आधुनिक संगीत उद्योग में रागनी को वह स्थान नहीं मिला जो अन्य संगीत शैलियों को मिला है। युवा पीढ़ी इसे करियर के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित नहीं हो रही है। इस कला को संरक्षित करने के लिए कोई औपचारिक संस्थान या पाठ्यक्रम उपलब्ध नहीं हैं।

अगर रागनी को नए संगीत वाद्ययंत्रों और आधुनिक ध्वनि तकनीक के साथ प्रस्तुत किया जाए तो वह युवाओं को आकर्षित कर सकती है। हरियाणवी फिल्म और म्यूजिक इंडस्ट्री में रागनी को स्थान दिया जाए। रैप और हिप-हॉप जैसी आधुनिक शैलियों को मिलाकर फ्यूजन रागनी तैयार की जा सकती है। यदि समय रहते इसके संरक्षण के प्रयास नहीं किए गए, तो आने वाली पीढ़ियों को यह विरासत केवल किताबों में ही देखने को मिलेगी। स्कूलों और कॉलेजों में रागनी को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाकर इस कला का संरक्षण किया जा सकता है। विश्वविद्यालयों में इस पर शोध को बढ़ावा देने से भी रागनी का भला हो सकता है। बच्चों को पारंपरिक संगीत में रुचि दिलाने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा सकता हैं। सरकार और सांस्कृतिक संस्थानों को भी आगे आना होगा। यू-ट्यूब, पॉडकास्ट और सोशल मीडिया के माध्यम से इसे युवाओं तक पहुंचाया जा सकता है। रागनी केवल एक गीत शैली नहीं, बल्कि हरियाणा की संस्कृति की पहचान भी है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

शनि ग्रह स्वभाव, प्रभाव एवं लक्षण

अम्बुजा तिवारी

ज्योतिषशास्त्र में शनि ग्रह का विशेष स्थान है। शास्त्रों में शनि को संतुलन व न्याय का ग्रह माना गया है। कई ज्योतिशविदों ने शनि को क्रोधी ग्रह भी माना है और यदि किसी व्यक्ति से कुपित हों जाए तो व्यक्ति के हंसते-खेलते संसार को बर्बाद भी कर देता हैं। इस संसार में कोई भी ऐसा व्यक्ति नहीं है जो शनि के प्रभाव से अछूता हो। शनिदेव का नाम सुनते ही व्यक्ति में भय उत्पन्न हो जाता है। शनि के प्रति सभी का डर सदैव बना रहता है। शनि के कारण जीवन की दिशा, सुख, दुख आदि सभी बात निर्धारित होती है। वास्तविकता में शनि कुकर्मियों को पीड़ित करता है तथा सुकर्मियों व कर्मठ लोगों का भग्यौदय करता है। यदि किसी व्यक्ति के कर्म अच्छे नहीं हैं तो शनि भाग्य हरकर पापियों को कंगाल बना देता है परंतु किसी भी व्यक्ति पर अपना असर डालने पर व्यक्ति को कुछ संकेत देता है। यह संकेत एक प्रकार की चेतवानी होती है की व्यक्ति अपने कर्म सुधारे और जीवन के मार्ग पर कर्म व धर्म अपनाकर अकर्म व अधर्म का परित्याग करे। शनि व्यक्ति के जीवन में अनेक परेशानियां लाकर निम्नलिखित बदलाव लाता है।

शनि प्रभावित व्यक्ति के घर की दीवारों में अकस्मात दरारें आना शुरू हो जाती हैं। नियमित सफाई के बावजूद घर की दीवारों पर मकड़ियां अपना जाला बनाना शुरू कर देती हैं।

शनि प्रभावित व्यक्ति के घर पर बने नमकीन प्रदार्थों में भी चींटियां आ जाती हैं। तथा पूरी सफाई के बावजूद भी चींटियां घर के पलायन नहीं करती हैं। इसे खाना खरण होना कहते हैं।

शनि प्रभावित व्यक्ति के घर पर काली

बिल्लियां डेरा डाल लेती हैं तथा वहीं बिल्ली अपने बच्चों को जन्म भी देती हैं तथा अक्सर दो बिल्लियां मिलकर एक दूसरे से लड़ती हुई भी पाई जाती हैं।

शनि प्रभावित व्यक्ति के स्वभाव और विचारों में भी बदलाव आता है। व्यक्ति में काम भावना बढ़ जाती है। मन और भावनाओं पर नियंत्रण नहीं रहता। व्यक्ति के अनैतिक संबंध भी बन जाते हैं।

शनि प्रभावित व्यक्ति की सूझबूझ खो जाती है। व्यक्ति अर्जित किया हुआधन व कीमती समय लंबी दूरी की यात्राओं में लगा देता है। व्यक्ति को अकारण ही लंबी दूरी की असफल यात्राएं करनी पड़ती हैं।

शनि प्रभावित व्यक्ति का झूठ बोलना बढ़ जाना। व्यक्ति आकारण झूठ बोलना शुरू करा देता है। उसके आचरण और विचारों में झूठ का वास हो जाता है। व्यक्ति को लगता ही नहीं है को वो झूठ बोल रहा है।

शनि प्रभावित व्यक्ति अत्यधिक सुस्त हो जाता है। व्यक्ति गंदगी पसंद करता है तथा खुद को साफ-सुथरा नहीं रख पता। नित्य स्नान का त्याग करता है। व्यक्ति बाल और नाखून काटने से परहेज करता है।

व्यक्ति के खानपान की पसंद में अकस्मात बदलाव आता है। व्यक्ति मांसाहार भक्षण में अत्यधिक रुचि लेता है। मदिरा के सेवन में भी व्यक्ति की रुचि बढ़ती है तथा बासी व तला हुआ खाना पसंद करता है।

शनि प्रभावित व्यक्ति को प्रॉपर्टी के विवादों का सामना करना पड़ता है। सगे-संबंधियों से पैतृक संपत्ति को लेकर मतभेद बढ़ता है। घर की कोई दीवार गिर सकती है। गृह निर्माण में धन खर्च करना पड़ता है।

शनि व्यक्ति की टांगों पर का बुरा प्रभाव शुरू करता तो। इस समय व्यक्ति के घुटनो में जकड़न शुरू हो जाती है तथा व्यक्ति के चमड़े से बने हुए जूते या चप्पल खोने लगते हैं या जल्दी-जल्दी टूटने लगते हैं।

शनि प्रभावित व्यक्ति को कर्मक्षेत्र में परेशानी आती है। व्यक्ति को पदोन्नति नहीं मिल पाती है। अधिकारियों से संबंध बिगड़ने लगते हैं व नौकरी छूट जाती है। व्यक्ति का अनचाही जगह पर तबादला होता है।

शनि सर्वदा व्यक्ति के पेट और पीठ पर अपना वार करता है। व्यक्ति के कार्यक्षेत्र में समस्याएं आती हैं। उसका कामकाज ठप पड़ जाता है। व्यक्ति का चलता हुआ कारोबार बंद हो जाता है। व्यवसाय में कानूनी दावपेच आ जाते हैं। जिसके कारण व्यक्ति को न्यायालय के चक्कर काटने पड़ते हैं। शनि प्रभावित व्यक्ति के यहां इन्कम टेक्स औरे सेल टेक्स आदि के छापे भी पड़ते हैं। व्यक्ति के जीवनसाथी के चरित्र का हनन भी होता है। शनि प्रभावित व्यक्ति का लाइफ पार्टनर दूसरे लोगों से शारीरिक रूप से अनैतिक संबंध बनाता है।

शनि प्रभावित व्यक्ति के भाई-बहन उससे गद्दारी करते हैं तथा पैसे में ठगी भी करते हैं। शनि प्रभावित व्यक्ति के दोस्त और रिश्तेदार भी व्यक्ति का जीवन खराब करने में कोई कसर नहीं छोड़ते हैं।

धन लाभ में आ रही बाधा दूर करने के लिए असरकारी शनि मंत्र

न्यायाधीश भगवान शनिदेव कई अन्य वजहों से भी अदभुत देवता के रूप में पूजनीय हैं। इसी सन्दर्भ में शनि की चाल मंद यानी धीमी मानी जाती है, तो दृष्टि वक्र यानी टेढ़ी। परन्तु उनका न्याय का हिसाब-किताब सीधा ओर सटीक होता है, यानी अच्छे कर्मों पर कृपा व बुरे कर्मों पर दण्ड। यही कारण है कि जहां शनिदेव की शुभ दृष्टि भाग्य बनाने वाली तो वहीं उनकी अशुभ दृष्टि कहर भी बरपाने वाली मानी जाती है।

शनिदेव की कृपा के लिए ही शनिदेव की चाल बदलने, शनि महादशा, साढ़े साती या ढैय्या में शनि की कृपा से सौभाग्य, सफलता व सुख की कामना पूरी करने के लिए शास्त्रों में शनि के सरल और सहज नाम मंत्रों का स्मरण मंगलकारी माना गया है। शनि साढ़े साती या ढैय्या से प्रभावित राशि वालों के लिए शनि का स्मरण विशेषरूप से धन, रोजगार व समृद्धि की बाधा दूर कर देता है।

शनि भक्ति से अपनी कामनाएं पूरी करने के लिए कुछ आसान शनि मंत्र व पूजा के सरल उपाय

शनिवार को या फिर प्रतिदिन भी शनि देवालय में शनि देव की काली पाषाण मूर्तियों को सरसो या तिल का तेल, काले तिल, काले वस्त्र, उड़द की दाल, फूल व तेल से बनी मिठाई या पकवान अर्पित कर समृद्धि की कामना से नीचे लिखे सरल शनि मंत्रों का स्मरण करें :

ॐ धनदाय नमः
ॐ मन्दाय नमः
ॐ मन्दचेष्टाय नमः
ॐ क्रूराय नमः
ॐ भानुपुत्राय नमः

पूजा व मंत्र स्मरण के बाद शनि की धूप व तेल दीप से आरती भी करें। दोषों के लिए क्षमा की प्रार्थना करें व प्रसाद ग्रहण करें।

(लेखिका जन्मकुंडली विशेषग्य हैं)

Page-05_Layout 1 3/25/2025 3:44 AM Page 1

उपराज्यपाल ने वरिष्ठ नेता श्री लालमुनि चौबे को श्रद्धांजलि अर्पित की

दिव्य भारत संवाददाता

- **श्री लालमुनि चौबे जी एक सर्वमान्य नेता थे, जिन्होंने अपने शरीर का एक-एक कण और जीवन का एक-एक क्षण लोगों की सेवा और भारत माता के गौरव को पुनः स्थापित करने के लिए समर्पित कर दिया**
- **वे समाज के वंचित वर्ग के लिए आशा की किरण थे और उन्होंने सभी के लिए सम्मान, समानता और अवसर के लिए खुद को समर्पित कर दिया। उनका जीवन और आदर्श आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेंगे**

जम्मू। उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा ने आज वरिष्ठ नेता और सांसद श्री लालमुनि चौबे को श्रद्धांजलि अर्पित की। बिहार के बक्सर में श्री लालमुनि चौबे की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में आयोजित एक सार्वजनिक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, उपराज्यपाल ने जन कल्याण और राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित अनुभवी राजनीतिक व्यक्ति के आजीवन अभियानों पर बात की।

उपराज्यपाल ने कहा, श्री लालमुनि चौबे जी एक सर्वमान्य नेता थे, जिन्होंने अपने शरीर का एक-एक कण और जीवन का एक-एक क्षण लोगों की सेवा और भारत माता के गौरव को पुनर्स्थापित करने के लिए समर्पित कर दिया। वे समाज के वंचित वर्ग के लिए आशा की किरण थे और उन्होंने सभी के लिए सम्मान, समानता और अवसर के लिए खुद को समर्पित कर दिया। उनका जीवन और आदर्श आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेंगे। आपातकाल के दौरान, जब व्यक्तिगत स्वतंत्रता खतरे में थी, लालमुनि चौबे ने अपनी पूरी ताकत से इसकी रक्षा की। उन्होंने राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए काम किया और लोगों में अनुशासन और आत्मविश्वास का प्रचार किया। उपराज्यपाल ने लोगों, विशेषकर युवाओं से श्री लालमुनि चौबे के जीवन और सार्वजनिक सेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता से प्रेरणा लेने और समाज की भलाई के लिए निस्वार्थ भाव से काम करने का आह्वान किया। उपराज्यपाल ने कहा, यदि हम सभी अपने आप को एक ऐसे महान कार्य के लिए समर्पित कर दें जो एक मजबूत और समृद्ध समाज बना सके और एक विकसित भारत और आत्मनिर्भर गांवों में योगदान दे सके, तभी हम उस महान आत्मा को अपनी सच्ची श्रद्धांजलि दे पाएंगे। बिहार के माननीय राज्यपाल श्री आरिफ मोहम्मद खान वरिष्ठ राजनीतिक नेताओं और सभी क्षेत्रों की प्रमुख हस्तियों ने भी श्री लालमुनि चौबे को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

उपराज्यपाल ने वरिष्ठ नेता श्री लालमुनि चौबे को श्रद्धांजलि अर्पित की।

उपायुक्त पुंछ ने मुगल रोड को खोलने के उपायों की समीक्षा की।

तीन वर्षों से लगातार, जम्मू-कश्मीर ने कृषि क्षेत्र में उत्पादकता का कीर्तिमान स्थापित किया है: एलजी सिन्हा

दिव्य भारत संवाददाता

जम्मू। उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा ने आज एसकेयूएएसटी, जम्मू के आरएस पुरा परिसर में कृषक मेला 2025 में भाग लिया। उपराज्यपाल ने प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया और परिसर में चार सुविधाओं का भी उद्घाटन किया जो शिक्षा, अनुसंधान और किसान प्रशिक्षण को मजबूत करेंगे।

अपने संबोधन में, उपराज्यपाल ने माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर के कृषि और संबद्ध क्षेत्र में हो रहे उल्लेखनीय परिवर्तन पर बात की। उन्होंने जम्मू कश्मीर में कृषि उन्नति को आगे बढ़ाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उन्होंने ने कहा हमने जम्मू कश्मीर के कृषि परिदृश्य को बदलने के लिए कई अभिनव कदम उठाए हैं, जिसमें प्रमुख परियोजना समग्र कृषि विकास कार्यक्रम (एचएडीपी) का शुभारंभ भी शामिल है। पिछले तीन लगातार वर्षों से, जम्मू-कश्मीर ने कृषि और संबद्ध क्षेत्र में उत्पादकता का रिकॉर्ड बनाया है।

उपराज्यपाल ने कहा पहले, हम अन्य राज्यों के विस्तार मॉडल और योजनाओं को अपनाते थे, लेकिन अब जम्मू-कश्मीर अभिनव कृषि पहलों को लागू करने में अग्रणी के रूप में उभरा है, जिन्हें अन्य राज्यों द्वारा मॉडल के रूप में उद्धृत किया जा रहा है उन्होंने उत्पादकता बढ़ाने और नीतिगत हस्तक्षेपों, टिकाऊ प्रथाओं, उन्नत प्रौद्योगिकियों और अभिनव विपणन विधियों के माध्यम से कृषि क्षेत्र को अधिक व्यवहार्य बनाने के लिए सरकार द्वारा की गई प्रमुख पहलों को भी साझा किया।

उपराज्यपाल ने कहा हमने कई पारंपरिक उत्पादों के लिए जीआई टैग सफलतापूर्वक हासिल किए हैं, उनके बाजार मूल्य को बढ़ाया है और प्रामाणिकता सुनिश्चित की है। अधिक स्थानीय उत्पादों के लिए जीआई मान्यता प्राप्त करने, क्षेत्र की निर्यात क्षमता और बाजार दृश्यता को बढ़ाने के प्रयास चल रहे हैं।

उपराज्यपाल ने क्षेत्र में ताकत और अवसरों का पता लगाने के लिए केवीके और अनुसंधान स्टेशनों के माध्यम से आउटरीच कार्यक्रम सफलतापूर्वक चलाने के लिए एसकेयूएएसटी जम्मू की सराहना की। उन्होंने विश्वविद्यालय को सीधे व्यक्तिगत संपर्क के माध्यम से किसानों तक अपनी पहुंच को मजबूत करने का निर्देश दिया, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि अनुसंधान-संचालित नवाचार और सर्वोत्तम अभ्यास प्रभावी रूप से जमीनी स्तर तक पहुंचें। एसकेयूएएसटी-जम्मू के इनक्यूबेशन सेंटर ने पहले ही 100 से अधिक युवाओं को इनक्यूबेट किया है और केंद्रीय कृषि मंत्रालय से सहायता प्राप्त 35 स्टार्टअप का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि कृषि परिवर्तन और आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने के प्रयासों को और मजबूत किया जाना चाहिए। उपराज्यपाल ने किसानों, किसान उत्पादक संगठनों और विभिन्न संबंधित विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों का दौरा किया। उन्होंने केवीके, जम्मू द्वारा संकलित और संपादित एक प्रकाशन कृषि आधारित उद्यमों के माध्यम से: सशक्त और समृद्ध भविष्य की खेती का विमोचन भी किया और एक मोबाइल ऐप - रेडियो किसान एसकेयूएएसटी जम्मू 90.8 एफएम लॉन्च किया।

कृषक मेले का उद्देश्य आधुनिक कृषि प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन करना, टिकाऊ कृषि प्रथाओं को बढ़ावा देना और किसानों, वैज्ञानिकों और नीति निमार्ताओं के बीच ज्ञान के आदान-प्रदान के लिए एक मंच प्रदान करना है।

उपायुक्त पुंछ ने मुगल रोड को खोलने के उपायों की समीक्षा की

दिव्य भारत संवाददाता

पुंछ। डिप्टी कमिश्नर विकास कुंडल ने आज मुगल रोड को फिर से खोलने के लिए किए जा रहे उपायों का आकलन करने के लिए एक बैठक बुलाई। बैठक में बर्फ से ढके क्षेत्रों को साफ करने, आम जनता के लिए सुरक्षित पहुंच सुनिश्चित करने जैसे प्रमुख मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया गया।

मुगल रोड से संबंधित महत्वपूर्ण अपडेट प्रदान करने के लिए सुरनकोट से सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट, ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर और तहसीलदार वर्चुअल मोड के माध्यम से शामिल हुए।

एक रचनात्मक चर्चा के बाद, डिप्टी कमिश्नर ने घोषणा की कि मुगल रोड को 10 अप्रैल, 2025 को वाहनों की आवाजाही के लिए फिर से खोल दिया जाएगा।

बैठक में एसएसपी पुंछ, शफकत हुसैन, एडीसी पुंछ, ताहिर मुस्तफा मलिक, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, डॉ. परवेज अहमद खान, ऑफिसर कमांडिंग जीआरईएफ, एआरटीओ, बशारत महमूद और ईओ नगर पालिका याकूब चौधरी सहित अन्य संबंधित अधिकारी शामिल हुए।

आयुक्त जम्मू नगर निगम ने सैनिक कॉलोनी क्षेत्र का दौरा किया

दिव्य भारत संवाददाता

जम्मू। आयुक्त जम्मू नगर निगम डॉ. देवांश यादव ने आज सैनिक कॉलोनी में वार्ड नंबर 69 और 70 का व्यापक दौरा किया, जिसमें नागरिक कार्यों, जल निकासी प्रणाली के उन्नयन और क्षेत्र में नालों की सफाई सहित नागरिक सुविधाओं के विकास का आकलन किया गया।

यात्रा के दौरान, डॉ. यादव ने स्ट्रीट लाइटिंग और डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण जैसी आवश्यक नगरपालिका सेवाओं पर प्रतिक्रिया एकत्र करने के लिए स्थानीय लोगों के साथ बातचीत की।

उन्होंने कुशल सेवा वितरण की आवश्यकता पर जोर दिया और जनता को आश्वासन दिया कि उनकी शिकायतों का तुरंत समाधान किया जाएगा।

आयुक्त ने राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) के तहत चल रही परियोजनाओं का भी निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को उच्च मानकों को बनाए रखते हुए काम में तेजी लाने का निर्देश दिया।

उन्होंने अधिकारियों को कम से कम समय में जनता की चिंताओं को हल करने और क्षेत्र की बेहतरी के लिए लगन से काम करने का निर्देश दिया।

इस अवसर पर संयुक्त आयुक्त (स्वास्थ्य एवं स्वच्छता) अब्दुल सितारा, कार्यकारी अभियंता (डिवीजन 5) लोकेश गुप्ता, कार्यकारी अभियंता (ई) सिमरपाल सिंह और मुख्य परिवहन अधिकारी एस. धर्मवीर सिंह भी आयुक्त के साथ थे।

उपायुक्त राजौरी ने जन्म, मृत्यु पंजीकरण स्थिति की समीक्षा की

दिव्य भारत संवाददाता

राजौरी। डिप्टी कमिश्नर अभिषेक शर्मा ने आज जिले में जन्म और मृत्यु पंजीकरण की स्थिति की समीक्षा के लिए दो अलग-अलग बैठकों की अध्यक्षता की, जिसमें राजस्व विभाग द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं पर विशेष ध्यान दिया गया। बैठक में लंबित मामलों के कारणों की पहचान करने और जन्म और मृत्यु पंजीकरण की मांग करने वाले आवेदनों का समय पर प्रसंस्करण सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

डिप्टी कमिश्नर ने अधिकारियों को लंबित मामलों के निपटान को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया। प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के लिए, उन्होंने ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर (बीएमओ), कार्यकारी अधिकारियों (ईओ) और ब्लॉक विकास अधिकारियों (बीडीओ) को लंबित मामलों को कुशलतापूर्वक संबोधित करने के लिए हर हफ्ते संयुक्त बैठकें आयोजित करने का निर्देश दिया। इसके अतिरिक्त, अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (एडीसी) और सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट (एसडीएम) को नियमित रूप से प्रगति की समीक्षा करने और कार्रवाई-की गई रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) राजौरी को शीघ्र पंजीकरण की सुविधा के लिए जन्म से संबंधित जानकारी के समय पर प्रवाह को सुनिश्चित करने का काम सौंपा गया।

उधमपुर प्रशासन ने आगामी त्योहारों की तैयारियों की समीक्षा की

दिव्य भारत संवाददाता

उधमपुर। आगामी त्योहारों की तैयारियों पर चर्चा के लिए उपायुक्त उधमपुर सलोनी राय ने आज यहां डीसी कार्यालय परिसर के कांफ्रेंस हॉल में जिले के अधिकारियों और गणमान्य नागरिकों के साथ बैठक की। बैठक में सुरक्षा, सुरक्षित पेयजल, बिजली आपूर्ति, प्राथमिक चिकित्सा, सफाई, दरों की जांच, दमकल, आंतरिक सड़कों के रखरखाव, स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत, पुलिस कर्मियों की तैनाती, शहर में यातायात जाम आदि से संबंधित विभिन्न व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। जिला प्रमुखों को त्योहार के दौरान अपने-अपने विभाग से संबंधित पूर्ण सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक निर्देश जारी किए गए।

डीसी ने पुलिस विभाग को त्योहार के मौसम में किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था करने पर जोर दिया। सीएमओ को आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के लिए एम्बुलेंस के साथ एक स्वास्थ्य टीम तैनात करने के लिए कहा गया। कार्यकारी अभियंता पीएचई को पीने के पानी की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कहा गया, जबकि कार्यकारी अभियंता पीडीडी को त्योहार के दौरान निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। शहर में सफाई बनाए रखने पर जोर देते हुए, डीसी ने सीईओ एमसी को इस संबंध में आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया और शहर को साफ रखने में प्रमुख नागरिकों का सहयोग भी मांगा।

त्योहारी सीजन को ध्यान में रखते हुए, दुकानदारों द्वारा अधिक कीमत वसूलने पर नजर रखने के लिए बाजार का निरीक्षण करने के लिए तहसीलदार, सहायक निदेशक एफसीएस एंड सीए, सीईओ नगर पालिका और खाद्य सुरक्षा अधिकारी की एक समिति का गठन किया गया। आम जनता को सलाह दी गई कि वे अपने वाहन सड़क किनारे न खड़े करें। इस बीच, दुकानदारों को आम जनता की जानकारी के लिए सभी आवश्यक वस्तुओं की दर सूची प्रदर्शित करने के लिए भी कहा गया। इसके अलावा, यातायात विभाग को त्योहार के दौरान किसी भी यातायात की भीड़ से बचने के लिए ट्रैफिक जाम वाले क्षेत्रों में पर्याप्त संख्या में ट्रैफिक कर्मियों को तैनात करने का निर्देश दिया गया।

आयुक्त जम्मू नगर निगम ने सैनिक कॉलोनी क्षेत्र का दौरा किया।

कठुआ के जंगलों में घुसपैठ कर आए आतंकवादियों की तलाश जारी

जम्मू, (हि.स.)। जम्मू क्षेत्र के कठुआ जिले के घने जंगलों में घुसपैठ करने वाले आतंकवादियों के एक समूह के खिलाफ तलाशी अभियान आज दूसरे दिन भी जारी है। पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात के नेतृत्व में अभियान को आज सुबह कमांडो, ड्रोन और खोजी कुत्तों की अतिरिक्त तैनाती के साथ तेज कर दिया गया। माना जा रहा है कि आतंकवादी सीमा पार से घुसपैठ करने के बाद यहां के जंगल में छुपे हुए हैं।

अधिकारियों ने बताया कि इन आतंकवादियों के एक समूह से सुरक्षा बलों का सामना होने के बाद रविवार को मुठभेड़ शुरू हुई थी। शाम को दोनों पक्षों के बीच आधे घंटे से अधिक समय तक भीषण गोलीबारी हुई। अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तान के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगभग पांच किलोमीटर दूर सान्याल गांव में जंगल के भीतर स्थित एक ढोक (घेरे के लिए एक स्थानीय शब्द) के अंदर आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में खुफिया इनपुट मिलने के बाद स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप की एक पुलिस टीम ने तलाशी अभियान शुरू किया। इस दौरान आतंकवादियों ने उन पर गोलीबारी शुरू कर दी। इसकी सूचना मिलते ही सहायता के लिए सेना, सीआरपीएफ व अतिरिक्त सुरक्षा बलों को भेजा गया।माना जा रहा है कि आतंकवादी शनिवार को खड्ड के रास्ते या नई बनाई गई सुरंग के जरिए घुसपैठ कर आए थे।

अधिकारियों ने बताया कि करीब आधे घंटे तक चली भीषण गोलीबारी के बावजूद किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। उन्होंने बताया कि अतिरिक्त बलों की मदद से घेराबंदी को मजबूत किया गया है। सूत्रों के अनुसार शनिवार को 5-6 आतंकवादियों के दो समूहों ने घुसपैठ की थी। अधिकारियों ने बताया कि लकड़ी इकट्ठा करने वाली कुछ ग्रामीण महिलाओं ने बताया कि करीब पांच आतंकवादी विशाल जंगली क्षेत्र में शरण लिए हुए थे। इस बीच एक सात वर्षीय लड़की को मामूली चोटें आईं और उसे स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालांकि उसके घायल होने की परिस्थितियों का तत्काल पता नहीं चल पाया है।

सेना के राइजिंग स्टार कोर ने एक्स पर कहा कि आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में खुफिया इनपुट के आधार पर सान्याल हीरानगर क्षेत्र में पुलिस बल और सेना के जवानों का एक संयुक्त अभियान चल रहा है। उल्लेखनीय है कि पिछले चार वर्षों में राजौरी और पुंछ के जुड़वां सीमावर्ती जिलों में घातक हमले करने के बाद 2024 में आतंकवादी गतिविधियां जम्मू क्षेत्र के छह अन्य जिलों में फैल गईं जिसमें 18 सुरक्षाकर्मियों और 13 आतंकवादियों सहित कुल 44 लोग मारे गए।हालांकि राजौरी और पुंछ के पीर पंजाल जिलों में पिछले वर्षों की तुलना में 2024 में आतंकवादी गतिविधियों में काफी गिरावट देखी गई लेकिन पिछले साल अप्रैल-मई से रियासी, डोडा, किश्तवाड़, कठुआ, उधमपुर और जम्मू में घटनाओं की श्रृंखला सुरक्षा एजेंसियों के लिए चिंता का विषय बन गई हैं।

Page-06_Layout 1 3/24/2025 9:53 PM Page 1

अमेरिकी राजदूत स्टीव विटकॉफ का दावा, पुतिन जंग खत्म कर शांति चाहते

वाशिंगटन। अमेरिकी राजदूत स्टीव विटकॉफ ने कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन युद्ध को खत्म करना चाहते हैं। यह बात उन्होंने सऊदी अरब में होने वाली अहम बैठक से पहले कही, जिसमें अमेरिका, रूस के अधिकारी हिस्सा जे रहे है। विटकॉफ ने कहा, मुझे लगता है कि वे (पुतिन) शांति चाहते हैं। उनका मानना है कि इस बैठक से कुछ अच्छे नतीजे आ सकते हैं, जैसे काला सागर में जंग को सीमित करना।

विटकॉफ हाल के हफ्तों में दो बार पुतिन से मुलाकात की हैं। ये मुलाकातें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस प्लान का हिस्सा हैं, जिसमें वे यूक्रेन और रूस के बीच जंग को खत्म करना चाहते हैं। विटकॉफ को भरोसा है कि सऊदी अरब में होने वाली बातचीत से शांति की दिशा में कदम बढ़ेगा।

यूरोप में इस बात को लेकर चिंता जाहिर कि हैं कि ट्रंप पुतिन पर बहुत ज्यादा भरोसा कर रहे हैं। लेकिन ट्रंप के करीबी विटकॉफ का कहना है कि पुतिन सचमुच शांति चाहते हैं। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि वह पूरे यूरोप पर कब्जा करना चाहते हैं। यह द्वितीय विश्व युद्ध की तुलना में बहुत अलग स्थिति है। विटकॉफ का मानना है कि पुतिन के इरादों को समझने में पश्चिमी देशों को थोड़ी नरमी दिखानी होगी। सऊदी अरब में अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल ने मॉस्को और कीव के बीच संभावित आंशिक युद्धविराम पर यूक्रेनी अधिकारियों के साथ बातचीत की। इसके बाद अमेरिका और रूसी अधिकारी सोमवार को सऊदी अरब में ही बातचीत करने वाले है। विटकॉफ को उम्मीद है कि इन बातचीतों से काला सागर में जहाजों की लड़ाई रुक सकती है, और फिर धीरे-धीरे पूरी जंग खत्म हो सकती है। पिछले हफ्ते पुतिन ने यूक्रेन की बिजली ढांचे पर हमले अस्थायी रूप से रोकने के लिए हामी भरी थी। लेकिन उन्होंने ट्रंप के 30 दिन के पूर्ण युद्धविराम के प्रस्ताव को ठुकरा दिया।

ट्रंप का मानना है कि यह 30 दिन का युद्धविराम स्थायी शांति की ओर पहला कदम हो सकता है। यूक्रेन ने इस प्रस्ताव को मान लिया, लेकिन पुतिन तैयार नहीं हुए। जब विटकॉफ से पुतिन की पश्चिमी आलोचना के बारे में पूछा गया, तब उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हर कहानी के दो पहलू होते हैं। उन्होंने वाशिंगटन के नाटो सहयोगियों की इस चिंता को भी कम करने की कोशिश की कि अगर रूस समझौता होने पर उत्साहित होकर अपने दूसरे पड़ोसियों पर हमला कर सकता है। व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइक वाल्ट्ज ने कहा कि अमेरिका रूस और यूक्रेन के बीच बातचीत में कुछ भरोसा बढ़ाने वाले कदमों पर चर्चा कर रहा है। इनमें उन यूक्रेनी बच्चों का भविष्य भी शामिल है, जो जंग के दौरान रूस ले जाए गए थे।

वाल्ट्ज ने बताया, हम कई विश्वास-जगाने वाले कदमों पर बात कर रहे हैं। यह उनमें से एक है। यूक्रेन का कहना है कि उसके हजारों बच्चे रूस ने जबरदस्ती ले लिए। लेकिन रूस का कहना है कि उसने अपनी मर्जी से लोगों को निकाला और जंग के इलाके से कमजोर बच्चों को बचाया।

कीव में एक दमकलकर्मी रुसी हमले में धवस्त एक इमारत में राहत व बचाव का काम करते हुए।

बैंकाक में थाईलैंड की प्रधानमंत्री पीएटोनगटरान शिनावात्रा मीडिया से बात करती हुईं।

नेपाल में सर्वदलीय सरकार की कवायद तेज

काठमांडू, (हि.स.)। नेपाल में पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह के पक्ष में उभरी जनलहर का सामना करने के लिए प्रमुख राजनीतिक दलों के बीच सर्वदलीय सरकार बनाने की कवायद शुरू की गई है। इसकी पहल स्वयं प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने की है। ओली ने आज प्रमुख विपक्षी नेता और माओवादी के अध्यक्ष पुष्पकमल दहाल प्रचण्ड को चर्चा करने के लिए अपने निवास पर आमंत्रित किया है। ओली ने इस बैठक में सत्तारूढ़ गठबंधन दल के प्रमुख नेता और नेपाली कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शेरबहादुर देउवा को भी आने का निमंत्रण दिया है।

प्रधानमंत्री के प्रमुख राजनीतिक सलाहकार विष्णु रिमाल ने कहा कि आज शाम चार बजे प्रधानमंत्री के सरकारी आवास पर तीनों दल के शीर्ष नेताओं की बैठक होगी। बैठक में वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य पर चर्चा होगी।उन्होंने बताया कि पूर्व राजा की गतिविधियां बढ़ने से नेपाल में लोकतंत्र और गणतंत्र खतरे में आ गया है।

उल्लेखनीय है कि प्रचण्ड पिछले दस दिनों से ओली सरकार और वर्तमान गठबंधन के खिलाफ देशव्यापी अभियान का नेतृत्व कर रहे हैं। प्रधानमंत्री के आग्रह पर वो रविवार शाम को काठमांडू लौटे। माओवादी पार्टी के प्रवक्ता अग्नि सापकोटा ने बताया कि वर्तमान राजनीतिक परिस्थिति के बीच सभी दलों का एक होना आवश्यक है। सर्वदलीय सरकार बना कर इस परिस्थिति का सामना करना सभी का कर्तव्य है।

नेपाली कांग्रेस के उपाध्यक्ष पूर्ण बहादुर खड़का ने कहा कि राजतंत्र के समर्थन में बढ़ते जनाधार को रोकने के लिए इस समय सभी दलों का एक होना आवश्यक है। इसके लिए सबसे अच्छा विकल्प सर्वदलीय सरकार का है। आज की बैठक में इस संबंध में कोई न कोई सहमति अवश्य बनेगी।

इजराइल ने गाजा के अस्पताल में छुपे दो हमास कमांडर मारे

गाजा पट्टी, (हि.स.)। इजराइल के सुरक्षा बलों ने गाजा के नासिर अस्पताल परिसर में हमला कर वहां मौजूद आतंकी समूह हमास के प्रभावशाली दो कमांडरों को मार गिराया। सुरक्षा बलों ने पुख्ता जानकारी जुटाने के बाद हमास आतंकवादियों को निशाना बनाया। इनमें से एक हमास के गाजा ब्रिगेड का डिप्टी कमांडर अहमद सलमान अवज शिमाली और दूसरा शेजैया बटालियन का कमांडर जमील उमर उर्फ जमील वाडिया शामिल है।

इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने एक्स पर यह सूचना साझा की है। आईडीएफ ने दावा किया है कि अहमद सलमान 7 अक्टूबर के नरसंहार की योजना तैयार करने में शामिल था। कमांडर जमील उमर ने 16 वर्षीय डैनियल विफ्लिक की हत्या की थी। इसके अलावा दक्षिणी गाजा में हमास के प्रमुख रणनीतिकार सलाह अल-बरदाविल को मार गिराया गया।

इस बीच गाजा पट्टी के स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को कहा कि इजराइल और हमास के बीच युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक गाजा में 50,000 से अधिक फिलिस्तीनी मारे गए हैं। मंत्रालय ने पिछले 24 घंटों में 41 और मौतों की सूचना दी है।

इमरान खान से अब जेल में हफ्ते में दो बार मुलाकात संभव

इस्लामाबाद, (हि.स.)। रावलपिंडी सेंट्रल जेल (अदियाला जेल) में बंद पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक और अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान से हफ्ते दो बार मुलाकात की जा सकती है।

डान अखबार की खबर के अनुसार, इस्लामाबाद हाई कोर्ट ने सोमवार को खान के सप्ताह में दो बार मुलाकात के अधिकार को बहाल कर दिया। हाई कोर्ट ने इमरान के मुलाकात के अधिकार और जेल की स्थितियों से संबंधित सभी 26 याचिकाओं पर सुनवाई के लिए नवनियुक्त कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश सरदार सरफराज डोगर की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय बड़ी पीठ का गठन किया था।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान भेजा दूत, क्षेत्र में की शांति और प्रगति की अपील

काबुल,। तालिबान अब पाकिस्तान के लिए सिरदर्द बन गय है। पाकिस्तान का कहना है कि तालिबान ने उसके दुश्मनों को देश में शरण दी है। तालिबान से अपने रिश्तों को बेहतर करने के लिए पाकिस्तान ने अपना दूत अफगानिस्तान भेजा। पाकिस्तान के विशेष दूत मुहम्मद सादिक खान तीन दिवसीय दौरे पर अफगानिस्तान पहुंचे। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान में शांति और प्रगति क्षेत्रीय स्थिरता के लिए जरूरी है। सादिक खान जब अफगानिस्तान में थे, तभी पाक सेना ने 16 उग्रवादियों को अफगान सीमा पर मारने का दावा किया है।

पाकिस्तान ने तालिबान के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार पर आतंकी समूहों को पनाह देने और सीमा पर हमलों को अंजाम देने का आरोप लगाया है। अफगानिस्तान इन आरोपों को खारिज कर चुका है। यह तनाव तब और बढ़ गया जब बलूचिस्तान में एक यात्री ट्रेन को निशाना बनाया गया, तब इसकी जिम्मेदारी अलगाववादी समूह बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने ली। पाकिस्तानी अधिकारियों ने कहा कि बीएलए के लड़ाके जब हमले को अंजाम दे रहे थे उस दौरान अफगानिस्तान में उनके हैंडलर्स बैठे थे और वे सैटेलाइट फोन से सीधे संपर्क में थे। इस हमले में सैकड़ों बंधक शामिल थे।

पाकिस्तान दूतावास ने कहा कि अफगानिस्तान में शांति और प्रगति क्षेत्रीय स्थिरता के लिए जरूरी है। पाकिस्तान और अफगानिस्तान को क्षेत्रीय आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए अपने प्रयासों में तालमेल बनाना चाहिए। पाकिस्तानी दूत ने अफगानिस्तान को अपने देश का सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्रीय साझेदार बताया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान अफगानिस्तान के साथ मजबूद और लाभकारी संबंध बनाए रखने के लिए जरूरी है।

पाकिस्तान के दूत सादिक खान जब अफगानिस्तान में थे तब दोनों पक्षों में झड़प देखी गई। पाकिस्तानी सेना ने रविवार को एक बयान में कहा कि उसने 22-23 मार्च की रात को उत्तर वजीरिस्तान जिले में घुसने की कोशिश कर रहे 16 उग्रवादियों को मार गिराया।

प्रधानमंत्री ओली की पार्टी ने कहा-भारत के साथ संबंध सुधारना हमारी उच्च प्राथमिकता

काठमांडू, (हि.स.)। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने भारत के साथ संबंध सुधारने को उच्च प्राथमिकता में रखने की बात कही है। उनकी पार्टी नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवाद (एमाले) की तरफ से सोमवार को जारी एक बयान में कहा गया कि संबंध सुधार के लिए भारत के साथ विभिन्न स्तरों पर लगातार संवाद का प्रयास भी किया जा रहा है।

नेपाल और भारत की मीडिया में प्रधानमंत्री ओली की अपनी पार्टी के पदाधिकारियों की बैठक में भारत की ओर से राजा के समर्थन में प्रदर्शन करवाने की बात कहते हुए खबरें प्रकाशित की गई थी। इस पर अपना विरोध प्रकट करते हुए एमाले के महासचिव शंकर पोखरेल ने एक बयान जारी किया है।

इस बयान में इस तरह की गलत खबरों पर आपत्ति जताते हुए भारत के साथ संबंध सुधार पार्टी और सरकार दोनों की उच्च प्राथमिकता में रहने की बात कही गई है। शंकर पोखरेल ने कहा कि नेपाल और भारत की कुछ मीडिया प्रधानमंत्री ओली और भारत के साथ संबंध को बिगाड़ने में लगे हैं, इसलिए इस तरह की बेबुनियादी और मनगढ़ंत खबरें प्रकाशित की गई है।

एमाले महासचिव ने बयान में कहा कि प्रधानमंत्री ओली के नेतृत्व में रही सरकार और एमाले पार्टी दोनों ही भारत के साथ अपने संबंधों को लेकर सदा सजग है और संबंध को और अधिक ऊंचाई तक ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा है कि संबंध सुधार के लिए भारत के साथ विभिन्न स्तरों पर लगातार संवाद का प्रयास भी किया जा रहा है।

तालिबान के तीन सीनियर नेताओं पर रखा इनाम अमेरिका ने हटाया

काबुल,। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तालिबान के तीन सीनियर नेताओं पर जो इनाम रखा था, उसे वापस ले लिया है। इन नेताओं में अफगान-तालिबान के आंतरिक मंत्री भी शामिल थे, जो अफगानिस्तान की पूर्व पश्चिमी समर्थित सरकार पर हुए खूनी हमलों के लिए जिम्मेदार माने जाते हैं। मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी देऐ हुए अधिकारियों ने दी कि सिराजुद्दीन हक्कानी जिन्होंने जनवरी 2008 में काबुल के सेरेना होटल पर हमले की योजना बनाई थी, जिसमें अमेरिकी नागरिक थॉर डेविड हेसला सहित छह लोग मारे गए थे, अब अमेरिकी स्टेट डिपार्टमेंट के रिवॉर्ड्स फॉर जस्टिस वेबसाइट पर नहीं दिखते।

अफगानिस्तान के आंतरिक मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि अमेरिकी सरकार ने हक्कानी, अब्दुल अजीज हक्कानी और याह्या हक्कानी पर लगाए गए इनाम को रद्द कर दिया है। उन्होंने बताया कि ये तीनों व्यक्ति दो भाई और एक चचेरे भाई हैं। हक्कानी नेटवर्क 2001 में अफगानिस्तान पर अमेरिकी अगुवाई वाले आक्रमण के बाद तालिबान की सबसे घातक शाखाओं में से एक था। इस समूह ने सड़क किनारे बम, आत्मघाती हमले और अन्य हमलों का इस्तेमाल किया, जिनमें भारतीय और अमेरिकी दूतावास, अफगान राष्ट्रपति भवन और अन्य प्रमुख टारगेट शामिल थे।

विदेश मंत्रालय के अधिकारी ने कहा कि तालिबान द्वारा 21 मार्च को अमेरिकी कैदी जॉर्ज ग्लीजमैन की रिहाई और इनामों को हटाना यह दिखाता है कि दोनों पक्ष युद्धकालीन चरण के प्रभावों से आगे बढ़ रहे हैं और द्विपक्षीय संबंधों में प्रगति के लिए रचनात्मक कदम उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान-अमेरिका संबंधों में हाल के विकास दोनों सरकारों के बीच व्यावहारिक और वास्तविक जुड़ाव का एक अच्छा उदाहरण हैं। तालिबान अलगाव से बाहर निकलने का अवसर देख रहे हैं। एक अन्य अधिकारी ने इस विकास को सामान्यीकरण की शुरूआत के रूप में सराहा है साथ ही तालिबान की घोषणा का हवाला दिया कि वे नॉर्वे में अफगानिस्तान के दूतावास पर नियंत्रण में हैं। अगस्त 2021 में अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद से चीन सबसे प्रमुख देश रहा है जिसने उनके एक राजनयिक को स्वीकार किया है अन्य देशों ने भी तालिबान के प्रतिनिधियों को स्वीकार किया है, जैसे कतर, जो अमेरिका और तालिबान के बीच एक प्रमुख मध्यस्थ रहा है। अमेरिकी दूतों ने भी तालिबान से मुलाकात की है।

पोप फ्रांसिस गाजा पट्टी के हालात से दुखी, अस्पताल से मिली छुट्टी

वेटिकन सिटी, (हि.स.)। रोम के गेमेली अस्पताल से ठीक होकर लौटे पोप फ्रांसिस गाजा पट्टी के हालात से बेहद दुखी हैं। उन्होंने रक्तपात रोकने का आह्वान किया है। डबल निमोनिया के इलाज के लिए 14 फरवरी से भर्ती 88 वर्षीय पोप को कल अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

वेटिकन न्यूज के अनुसार, अस्पताल से बाहर निकलने से पहले पोप ने समस्त स्टाफ का आभार जताया। इसके बाद अस्पताल की बालकनी में पहुंचे और उपस्थित लोगों का अभिवादन किया। उन्होंने करीब तीन हजार लोगों को अंगूठा दिखाते हुए संकेत दिया कि वह स्वस्थ हैं। उन्होंने बेहद धीमी आवाज में कहा सभी का धन्यवाद! इसके बाद पोप अस्पताल से बाहर आए। यहां से वह अपनी पसंदीदा सफेद फिएट 500 एल कार से रवाना हुए। वह अगली सीट पर बैठे थे और उन्होंने नाक में ऑक्सीजन की ट्यूब लगाई हुई थी। वह सबसे पहले सेंट मैरी मेजर के बेसिलिका पहुंचे। यहां उन्होंने कार्डिनल रोलांडस मकरिकस से मुलाकात की। पोप ने यहां उनसे फूल लेकर मैरी सालस पॉपुली रोमानी के आइकन के सामने चढ़ाए। पोप हमेशा विदेश यात्रा पूरी करने के बाद सबसे पहले यहीं जाते हैं। डॉक्टरों का कहना है कि पोप फ्रांसिस को वेटिकन में दो महीने आराम और स्वास्थ्य लाभ की जरूरत है। इस दौरान उन्हें बड़े समूहों से नहीं मिलना चाहिए।

होली सी प्रेस कार्यालय ने पोप फ्रांसिस की वापसी पर उनका बयान जारी किया है। इसमें कहा गया है कि वो गाजा पट्टी पर इजराइली बमबारी दुखी हैं।

गाजा में इजरायली हमले में धवस्त नसर अस्पताल के एक कमरे का जायजा लेते हुए राहतकर्मी।

दक्षिण कोरिया के प्रधानमंत्री हान के खिलाफ संसद में लाया गया महाभियोग संवैधानिक न्यायालय ने खारिज किया

सियोल, (हि.स.)। दक्षिण कोरिया में पिछले साल से मची राजनीतिक उथल के बीच आज विपक्ष को करारा झटका लगा। दिसंबर में प्रधानमंत्री हान डक-सू के खिलाफ संसद में लाया गया महाभियोग प्रस्ताव संवैधानिक न्यायालय में टिक नहीं पाया। दक्षिण कोरिया के संवैधानिक न्यायालय ने सोमवार को प्रधानमंत्री हान के महाभियोग को खारिज कर दिया।

दक्षिण कोरिया के दोनों प्रमुख समाचार पत्र द कोरिया हेराल्ड और द कोरिया टाइम्स ने कुछ देर पहले अपनी खबरों में संवैधानिक न्यायालय के फैसले का संक्षिप्त विवरण जारी किया। खबरों में कहा गया कि इसी के साथ हान को तत्काल प्रभाव से उनके पदों पर बहाल कर दिया गया। वह प्रधानमंत्री और कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में अपनी भूमिका फिर से शुरू करेंगे। हान देश के वित्तमंत्री चोई सांग-मोक की जगह लेंगे। मोक पिछले साल के अंत में हान के निलंबन के बाद से देश का नेतृत्व कर रहे थे।

संवैधानिक न्यायालय के आठ जजों में से पांच ने महाभियोग को खारिज करने के लिए मतदान किया। इनका मत था कि महाभियोग चलाने के लिए तर्क अपर्याप्त हैं। एक जज ने इसे बरकरार रखने के लिए मतदान किया। राष्ट्रीय सभा यानी दक्षिण कोरिया की संसद ने 27 दिसंबर को महाभियोग प्रस्ताव पारित किया था। महाभियोग प्रस्ताव में तर्क दिया गया था कि हान राष्ट्रपति यून सुक योल की तीन दिसंबर की मार्शल लॉ घोषणा में शामिल थे। बाकी दो जजों ने कोई राय नहीं व्यक्त की।

Page-07_Layout 1 3/24/2025 10:43 PM Page 1

हरिद्वार में हुआ युवा ऑल स्टार्स चैम्पियनशिप ट्रॉफी का भव्य अनावरण

हरिद्वार, (हि.स.)। कबड्डी के स्वर्णिम इतिहास और इसकी जड़ों से प्रेरणा लेते हुए युवा ऑल स्टार्स चैम्पियनशिप ट्रॉफी का भव्य अनावरण हरिद्वार में किया गया। इस ऐतिहासिक क्षण के दौरान खेल जगत की कई प्रतिष्ठित हस्तियां मौजूद रहीं, जिन्होंने इस आयोजन को खास बना दिया।

इस विशेष अवसर पर भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के पूर्व महासचिव और वर्तमान में एशियाई फेंसिंग परिसंघ के महासचिव राजीव मेहता, उत्तराखंड कबड्डी संघ के अध्यक्ष महेश जोशी, सचिव चेतन जोशी और उत्तराखंड ओलंपिक संघ के अध्यक्ष डी.के.सिंह सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

युवा ऑल स्टार्स चैम्पियनशिप के सीईओ विकास गौतम ने ट्रॉफी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, इस ट्रॉफी का उद्देश्य न केवल विजेताओं को सम्मानित करना है, बल्कि युवा पीढ़ी को कबड्डी के गौरवशाली अतीत से भी जोड़ना है।

ट्रॉफी को ऐसे तत्वों से तैयार किया गया है, जो कबड्डी की सदियों पुरानी यात्रा और इसकी सांस्कृतिक विरासत का प्रतिनिधित्व करते हैं।

कबड्डी का उल्लेख महाभारत तक में मिलता है और यह खेल सदियों से मिट्टी के मैदानों पर ही विकसित हुआ है। इसी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को सम्मान देते हुए, ट्रॉफी के आधार को तमिलनाडु के नागमलाई पुदुकोट्टई से लाई गई मिट्टी से बनाया गया है, जिसका इस खेल के इतिहास में विशेष महत्व है।

इसके अलावा, ट्रॉफी के केंद्र में मौजूद खंभा मजबूती और निरंतर प्रगति का प्रतीक है, जबकि चारों ओर लगी लकड़ी जीवन और विकास का संकेत देती है। ट्रॉफी के शीर्ष पर रखी गई कबड्डी मैट, खेल के पारंपरिक मिट्टी के मैदानों से आधुनिक मैट तक की यात्रा को दशार्ती है।

इस भव्य अनावरण समारोह में देशभर से युवा खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, स्कूली छात्रों और खेल अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। युवा ऑल स्टार्स चैम्पियनशिप न सिर्फ युवा प्रतिभाओं को निखारने का मंच है, बल्कि उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने की दिशा में एक मजबूत कदम भी है।

कबड्डी की जड़ों से जुड़कर इसे भविष्य की ऊंचाइयों तक ले जाने के इस प्रयास को खिलाड़ियों और खेलप्रेमियों से शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है।

युवा ऑल स्टार्स चैम्पियनशिप भारतीय कबड्डी के भविष्य को नई दिशा देने के लिए प्रतिबद्ध है और इस प्रतिष्ठित ट्रॉफी का अनावरण इसी सुनहरे सफर की एक झलक है।

बीसीसीआई ने महिला टीम के लिए केंद्रीय अनुबंध की घोषणा की, हरमनप्रीत, स्मृति ग्रेड ए में।

हरिद्वार में हुआ युवा ऑल स्टार्स चैम्पियनशिप ट्रॉफी का भव्य अनावरण।

रोचक रहा ओवरवेट सॉफ्टवेयर इंजीनियर से लेकर पावरलिफ्टिंग में रिकॉर्ड तोड़ने का सफर

नई दिल्ली, (हि.स.)। पंजाब की पावरलिफ्टर जसप्रीत कौर का खेल के शीर्ष पर पहुंचने का सफर किसी प्रेरणा से कम नहीं है। उन्होंने खेलो इंडिया पैरा गेम्स 2025 में पावरलिफ्टिंग में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया, जिसके बाद जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम के वेटलिफ्टिंग ऑडिटोरियम में जोरदार तालियों की गड़गड़ाहट से उनका स्वागत किया गया। 45 किग्रा वर्ग में प्रतिस्पर्धा करते हुए 30 वर्षीय खिलाड़ी ने रविवार को अविश्वसनीय 101 किग्रा वजन उठाया, जो कि 16 मार्च को राष्ट्रीय स्तर पर एक सप्ताह पहले दर्ज किए गए 100 किग्रा के अपने पिछले सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को पार कर गया। एनआईटी कोझीकोड से स्नातक करने वाली इस ओवरवेट सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने अपनी मानसिक दृढ़ता के कारण खेल के मैदान में कदम रखते ही 40 किग्रा वजन कम कर लिया। जसप्रीत ने साई मीडिया से कहा कि डॉक्टरों ने मुझे बताया कि मेरी रीढ़ की हड्डी के निचले हिस्से पर दबाव पड़ रहा है और मुझे अपना वजन कम करने की जरूरत है। यह मेरे लिए एक चेतावनी थी। 2020 के दौरान उस समय मेरा वजन 80 किलोग्राम था और एक इंजीनियर के रूप में मेरी नौकरी के लिए मुझे कई घंटों तक बैठना पड़ता था। मुझे डर था कि कहीं ऐसा न हो कि मैं व्हीलचेयर पर आ जाऊं।

जसप्रीत के लिए पावरलिफ्टिंग एक खेल से कहीं बढ़कर है। उनके लिए यह एक जीवन रेखा है। उन्होंने कहा कि खेल ने मुझे चुना है न कि मैंने खेल को चुना है। मेरे वजन घटाने से मुझे पावरलिफ्टिंग मिली और पावरलिफ्टिंग ने मुझे आत्मविश्वास दिया। अब मैं 2028 में लॉस एंजिलेस पैरालंपिक में भारत के लिए पदक जीतना चाहती हूं।

जसप्रीत ने बताया कि उनकी रीढ़ की हड्डी झुकी हुई है और अधिक वजन होने के कारण काठ के क्षेत्र में रीढ़ की हड्डी के बिंदु दब जाते हैं। नतीजतन, वह उस पैर में असंतुलित होने लगी, जिस पर पोलियो का असर नहीं था। तीन साल की उम्र में पोलियो से पीड़ित जसप्रीत कौर अब कैलिपर की मदद से चलती हैं। 2020 में अपनी नौकरी छोड़ने के बाद पंजाब लौट आईं और अपना वजन कम करने की यात्रा शुरू की। पढ़ाई भी उनकी प्रमुख प्राथमिकता थी।

जसप्रीत ने कहा, मैं खुद अपनी पोषण विशेषज्ञ थी और मैंने पोषण पर सभी अध्ययन और शोध किए। मेरा एकमात्र लक्ष्य वजन कम करना और अपने कूल्हे की समस्याओं को ठीक करना था। मैंने फास्ट फूड और चीनी का सेवन कम किया, दिन में दो बार गर्म पानी पिया। देसी घी और रोजाना चार बार भोजन के साथ उचित पोषण सुनिश्चित किया। भूखे रहने से लीवर कमजोर होता है, इसलिए मैं सावधान रहती थी।

2022 के अंत तक वह समाचार पत्र पढ़ते समय पैरालंपिक खेलों के बारे में नहीं जान पाई। खेलों में भाग लेने की इच्छा के साथ जसप्रीत ने पंजाब के पैरा-पावरलिफ्टर और पैरालिंपियन राजिंदर सिंह राहेलू और परमजीत कुमार से बात की। उनकी उपलब्धियों से प्रेरित होकर इस खेल को आजमाने का फैसला किया। उसी वर्ष अपने पहले राष्ट्रीय स्तर पर उन्होंने 70 किग्रा भार उठाया और स्वर्ण पदक जीता। इससे उन्हें गांधीनगर में प्रतिष्ठित भारतीय खेल प्राधिकरण सेंटर आफ एक्सीलेंस में स्थान मिला।

जसप्रीत ने कहा, मुझे नहीं पता था कि पैरा पावरलिफ्टिंग मौजूद है। मैं हमेशा खिलाड़ियों से प्रेरित होती थी, लेकिन मैं पढ़ाई में इतनी व्यस्त थी कि खुद के लिए इस पर विचार नहीं कर पाई। जब मुझे इसके बारे में पता चला, तो मुझे लगा कि मुझे कोशिश करनी चाहिए।

साई गांधीनगर में अर्जुन पुरस्कार विजेता कोच राजिंदर सिंह राहेलू के विशेषज्ञ मार्गदर्शन में उन्होंने अपनी तकनीक और ताकत को निखारा और तीन साल के भीतर अपने शरीर के वजन से दोगुना वजन उठाने में लगातार सुधार किया। जसप्रीत ने कहा, सारा श्रेय राजिंदर सर को जाता है। मैंने अपने खेल को बेहतर बनाने के लिए हर पहलू में उनके मार्गदर्शन का आँख मूंदकर पालन किया है। इसके अलावा, पिछले कुछ वर्षों में, साई गांधीनगर ने मुझे सभी आहार और अनुशासित दिनचर्या प्रदान की है।

जसप्रीत फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल मिशन का भी सक्रिय रूप से समर्थन करती हैं, जो मोटापे के खिलाफ लड़ाई के संदेश पर जोर देता है। वह कहती हैं कि फिट इंडिया साइकिलिंग अभियान एक आंदोलन में बदल गया है और संदेश कुछ ऐसा है जिसे मैं अपनी यात्रा से जोड़ सकती हूं।

दिल्ली

नीली छतरी वाले मंदिर को कोई नुकसान नहीं होगा : प्रवेश वर्मा

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली के लोक निर्माण विभाग के (पीडब्ल्यूडी) मंत्री प्रवेश वर्मा ने आज यमुना बाजार स्थित नीली छतरी वाले मंदिर का दौरा किया और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि मंदिर को कोई नुकसान नहीं होगा और यदि किसी भी तरह की संरचनात्मक क्षति हुई है, तो उसे तुरंत बनवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहरों की सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। वर्मा ने बताया कि आज सुबह मुझे व्हाट्सएप पर संदेश मिला कि मंदिर को तोड़ा जा रहा है। इसी कारण मैं तुरंत यहां पहुंचा और खुद निरीक्षण किया। सभी श्रद्धालुओं को आश्वस्त करना चाहता हूं कि मंदिर पूरी तरह सुरक्षित है और किसी को चिंता करने की जरूरत नहीं है। उन्होंने विशेष रूप से वाल्मीकि समाज को अपना पूरा समर्थन देते हुए कहा कि उनकी आस्था और धार्मिक धरोहर की सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि किसी भी धार्मिक स्थल को नुकसान नहीं पहुंचने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर कहीं कोई गलती हुई है तो उसे तुरंत सुधारा जाएगा। मंत्री ने स्थानीय लोगों से अपील की कि इस मामले का राजनीतिकरण न करें। उन्होंने कहा कि कुछ लोग जानबूझकर अफवाहें फैलाकर माहौल खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। वर्मा ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि मंदिर को कोई नुकसान न पहुंचे और यदि कोई मरम्मत कार्य आवश्यक हो तो उसे प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए।

पीएसी और सीओजीयू ने पिछले दस वर्षों में कोई भी रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने सोमवार को बताया कि 21 मार्च 2025 को महालेखाकार दिल्ली ने मिलकर उन्हें दिल्ली सरकार से संबंधित सीएजी रिपोर्ट के विभिन्न लंबित पैरा के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि तत्कालीन विधानसभा की लोक लेखा समिति (पीएसी) और सरकारी उपक्रम समिति (सीओजीयू) ने पिछले दस वर्षों के दौरान कोई भी रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की। इससे अधिक गंभीर बात यह है कि प्रशासनिक विभागों ने भी सीएजी रिपोर्ट के पैरा पर अपने एक्शन टेकन नोट प्रस्तुत नहीं किए हैं, जिन्हें तीन महीने के भीतर विधानसभा में प्रस्तुत किया जाना चाहिए।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि सीएजी के अधिकारी पूरे साल बहुत मेहनत करके विभिन्न विभागों का ऑडिट करते हैं और केवल गंभीर अनियमितताओं वाले पैरा को ही अंतिम रिपोर्ट में शामिल किया जाता है। इस तथ्य के बावजूद कि पीएसी या सीओजीयू जब किसी मामले को उठाते हैं तो विभागों का यह कर्त्तव्य है कि वे विधानसभा में अपने एक्शन टेकन नोट प्रस्तुत करें, जिसको बाद में सीएजी दफ्तर द्वारा जांचा जाता है। एक्शन टेकन नोट प्रस्तुत करने में विभागों की विफलता एक गंभीर कमी है। इससे ऑडिट की इतनी लंबी और विस्तृत प्रकिया पूरी तरह निरर्थक हो जाती है। महालेखाकार दिल्ली ने यह भी बताया कि अनुपालन की निगरानी के लिए भारत सरकार के व्यय विभाग में एक निगरानी प्रकोष्ठ स्थापित किया गया है और लंबित एक्शन टेकन नोट की निगरानी के लिए एक वेब आधारित एप्लिकेशन अर्थात ऑडिट पैरा मॉनिटरिंग सिस्टम (एपीएमएस) स्थापित किया गया है। इस एप्लिकेशन को एनआईसी ने विकसित किया है। महालेखाकार दिल्ली ने जनवरी 2025 में दिल्ली सरकार के वित्त विभाग से दिल्ली में भी इस सिस्टम को अपनाने का अनुरोध किया था।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि यह एक अच्छी पहल है और इसे दिल्ली में तुरंत लागू किया जाना चाहिए। दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव को सीएजी की रिपोर्टों पर की गई कार्रवाई की प्रभावी निगरानी के लिए दिल्ली में ऑनलाइन एपीएमएस को लागू करने के लिए तत्काल कदम उठाने चाहिए। यह सदन की भावना है और इसमें कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इससे कागजी कार्रवाई कम होगी और एक्शन टेकन नोट जमा करने की वास्तविक समय पर निगरानी सुनिश्चित होगी। वित्त विभाग को अप्रैल 2025 के पहले सप्ताह तक स्थिति रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया गया।

रोहिणी में एक व्यक्ति ने आत्महत्या की

नई दिल्ली, (हि.स.)। रोहिणी जिले के प्रेम नगर इलाके में एक व्यक्ति ने खुद को गोली मारकर खुदकुशी कर ली। मृतक की पहचान प्रेम नगर निवासी प्रशांत कौशिक के रूप में हुई है। उनके पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। छानबीन के दौरान पुलिस को शव के पास से अवैध कट्टा मिला, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया है। शुरूआती जांच के बाद पुलिस ने खुदकुशी की आशंका जताई है। पुलिस मृतक के परिवार वालों से पूछताछ कर जांच कर रही है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि घटना सोमवार की है। पुलिस को सुबह 10 बजे सूचना मिली कि प्रेम नगर इलाके में एक व्यक्ति ने खुद को गोली मार ली है। पुलिस मौके पर पहुंची तो पता चला कि उस व्यक्ति के सिर में गोली लगी है।

पैर के पास एक कट्टा पड़ा है। पुलिस ने मौके पर क्राइम व एफएसएल टीम को बुलाया। टीम ने छानबीन कर साक्ष्य इकट्ठा किए।

परिवार वालों के संपर्क करने पर पता चला कि वह व्यक्ति खराद का काम करता था। घटना के समय घर में उसकी पत्नी और दो बच्चे मौजूद थे। पुलिस अधिकारी के अनुसार अभी तक परिवार के सदस्यों ने न तो कोई संदेह नहीं जताया है और न ही कोई सुसाइड नोट मिला है। फिलहाल पुलिस परिजनों से पूछताछ कर पूरे मामले की जांच कर रही है।

नई दिल्ली। बजट सत्र के दौरान संसद भवन परिसर में गृहमंत्री अमित शाह।

सोनीपत से अवैध शराब लेकर आ रहे युवक को पुलिस ने दबोचा

नई दिल्ली, (हि.स.)। पश्चिम जिला पुलिस की स्पेशल स्टाफ टीम ने एक अंतरराज्यीय तस्कर विजय को गिरफ्तार किया है। उसके पास से 75 पेटी अवैध शराब और एक माल वाहक गाड़ी जब्त की गई है। विजय यह शराब सोनीपत से लेकर आया था।

पश्चिम जिले के डीसीपी विचित्र वीर ने सोमवार को बताया पुलिस टीम को सूचना मिली थी कि हरियाणा से शराब की अवैध खेप आने वाली है। एसीपी ऑपरेशन अरविंद कुमार की देखरेख में एसआई मनीष, एएसआई ऋषि, हेडकांस्टेबल उमेश ने राजधानी कॉलेज के पास जाल बिछाया और रात करीब आठ बजे एक माल वाहक गाड़ी को जांच के लिए रोका। गाड़ी की तलाशी में 75 कार्टून अवैध शराब बरामद हुई। पुलिस ने राजौरी गार्डन थाने में आरोपित के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया।

फिर से शुरू हुई राऊज एवेन्यू कोर्ट के सेंट्रल दिल्ली कोर्ट बार एसोसिएशन की मतगणना

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट के सेंट्रल दिल्ली कोर्ट बार एसोसिएशन के लिए मतगणना सोमवार को फिर शुरू हो गई है। इसके पहले निर्वाचन अधिकारी ने 23 मार्च को बार एसोसिएशन के चार पदों के चुनाव परिणाम घोषित कर दिए थे।

भारी अव्यवस्था और व्यवधानों के बीच राऊज एवेन्यू कोर्ट में बार एसोसिएशन की गिनती चल रही है। इस बीच खबर है कि मतगणना में धांधली का आरोप लगाते हुए दिल्ली हाई कोर्ट में एक याचिका आज दायर कर दी गई है। 23 मार्च को निर्वाचन अधिकारी की ओर से जारी नोटिफिकेशन के मुताबिक सेंट्रल दिल्ली कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष पर पर वकील नीरज ने जीत दर्ज की है, जबकि उपाध्यक्ष पद पर विकास त्रिपाठी ने जीत दर्ज की है। राऊज एवेन्यू कोर्ट के सेक्रेटरी के पद पर विजय विश्नोई और ट्रेजरार के पद पर प्रियंका तिवारी ने जीत दर्ज की है।

उपाध्यक्ष पद पर जीत हासिल करने वाले उम्मीदवार विकास त्रिपाठी का चुनाव हाई कोर्ट के फैसले पर निर्भर करेगा। विकास त्रिपाठी को पहले उपाध्यक्ष के लिए नामांकन के अनुकूल नहीं माना गया था, जिसके बाद उन्होंने हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। इसके बाद हाई कोर्ट ने उन्हें चुनाव लड़ने की अनुमति दी थी और चुनाव परिणाम अंतिम फैसले के आधार पर करने का आदेश दिया था।

राऊज एवेन्यू कोर्ट में बार एसोसिएशन के चुनाव 21 मार्च को भारी अव्यवस्था के बीच संपन्न हुए थे। 21 मार्च को करीब दोपहर तीन बजे धांधली की शिकायतों के बाद मतदान रोक दिया गया था। फिर शाम को करीब साढ़े छह बजे दोबारा मतदान कराया गया। उसके बाद मतगणना 22 मार्च को शुरू हुई। राऊज एवेन्यू कोर्ट में मतगणना भी विवादों से नहीं बच पाई और 22 मार्च को रात करीब ढाई बजे एक उम्मीदवार ने धांधली का आरोप लगाते हुए मतगणना रुकवा दी। उसके बाद से उम्मीद थी कि 23 मार्च को मतगणना होगी। उम्मीदवार और उनके समर्थक दिनभर जुटे रहे, लेकिन मतगणना शुरू नहीं हुई। अब सेंट्रल दिल्ली कोर्ट बार एसोसिएशन के लिए मतगणना सोमवार को फिर शुरू हो गई है।

Page-08_Layout 1 3/25/2025 2:52 AM Page 1

बीते 8 सालों में परसेप्शन पूरी तरह से बदल गया : योगी

आलोक पाण्डेय

लखनऊ। सरकार के 8 वर्ष पूरे होने के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को लोकभवन में आयोजित एक पत्रकार वार्ता में अपनी सरकार के विकास कार्यों का विस्तृत खाका प्रस्तुत किया। इस दौरान 8 वर्षों में यूपी में सरकार के कामकाज पर एक झलक रिपोर्ट कार्ड डॉक्यूमेंट्री दिखाई गई और पुस्तिका का विमोचन किया गया। पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा और 25 करोड़ प्रदेशवासियों के समवेत प्रयास से आज यह उत्तर प्रदेश, भारत के 'श्रम शक्ति पुंज से अर्थ शक्ति पुंज' बनने की ओर अग्रसर है। उत्तर प्रदेश वही है, लेकिन बीते 8 वर्षों परसेप्शन पूरी तरह से बदल चुका है। सुरक्षा, सुशासन, समृद्धि और सनातन संस्कृति के क्षेत्र में जो पहचान बनी है उसका एहसास उत्तर प्रदेश ही नहीं पूरा भारत कर रहा है। उन्होंने कहा कि 8 वर्ष पहले बीमारू राज्य की पहचान रखने वाला उत्तर प्रदेश आज देश की अर्थव्यवस्था का ग्रोथ इंजन बन चुका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरणादायी मार्गदर्शन और उनके विजनरी नेतृत्व में सेवा, सुरक्षा और सुशासन के 8 वर्ष पूरे हुए हैं। उन्होंने 25 करोड़ प्रदेशवासियों को 8 वर्ष की इस शानदार यात्रा के लिए बधाई दी और कहा कि डबल इंजन सरकार ने हर क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन किया है। सीएम योगी ने कहा कि आगामी 25, 26 और 27 मार्च को प्रत्येक जिला मुख्यालय पर तीन दिवसीय 'विकास उत्सव' आयोजित होगा, जिसमें अन्नदाता किसानों, युवाओं, मातृशक्ति, हस्तशिल्पियों और उद्यमियों को सम्मानित किया जाएगा। यहां केंद्र सरकार के 10 व प्रदेश के 8 वर्षों की विकास यात्रा को जनता के समक्ष रखा जाएगा।

सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने देश को 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य रखा है। यूपी नंबर दो की अर्थव्यवस्था है और जल्द नंबर एक बनेगा। उन्होंने पीएम मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा और मंत्रिमंडल के सहयोगियों और एनडीए के सभी घटक दलों का आभार जताया। सीएम योगी ने कहा कि यह 8 वर्ष की शानदार यात्रा टीम भावना, स्केल, स्किल और स्पीड का परिणाम है।

सीएम योगी ने 2017 से पहले की स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि 8 वर्ष पहले उत्तर प्रदेश की पहचान संकट में थी। किसान आत्महत्या कर रहे थे, युवा अपनी पहचान के मोहताज थे, बेटियां और व्यापारी असुरक्षित थे। दंगों और अराजकता ने अर्थव्यवस्था को तबाह कर दिया था। उन्होंने कहा कि उस समय उत्तर प्रदेश को बीमारू राज्य माना जाता था और इसे देश के विकास में बाधक समझा जाता था। लेकिन 8 वर्षों में डबल इंजन सरकार ने इस परसेप्शन को पूरी तरह बदल दिया। आज उत्तर प्रदेश देश के विकास का ब्रेकथ्रू बनकर हर सेक्टर में आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि 2017 से पहले किसान आत्महत्या कर रहे थे, डबल इंजन की सरकार ने इस स्थिति को बदला। 2017 में पहली कैबिनेट में ही 36,000 करोड़ रुपये की लागत से लघु और सीमांत किसानों की कर्ज माफी की गई। इसके परिणामस्वरूप 2016-17 में 557 लाख मीट्रिक टन खाद्यान्न उत्पादन करने वाला उत्तर प्रदेश 2023-24 में 668 लाख मीट्रिक टन खाद्यान्न उत्पादन तक पहुंच गया, जो 20% की वृद्धि दर्शाता है।

गन्ना किसानों के लिए किए गए कार्यों का जिक्र करते हुए सीएम योगी ने कहा कि 2008-09 से 2017 तक गन्ना किसानों का हजारों करोड़ रुपये बकाया था। हमारी सरकार ने एक भी चीनी मिल बंद नहीं होने दी। तीन नई चीनी मिलें स्थापित कीं, छह का पुनः संचालन किया और 38 का विस्तार किया। उन्होंने कहा कि 2017 से अब तक 2.80 लाख करोड़ रुपये का गन्ना मूल्य भुगतान किया गया, जो पिछली सरकारों के 22 वर्षों के भुगतान से 60,000 करोड़ रुपये अधिक है। एथेनॉल उत्पादन 42 करोड़ लीटर से बढ़कर 177 करोड़ लीटर तक पहुंच गया।

सीएम योगी ने कानून-व्यवस्था में सुधार को सबसे बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि 2017 से कि पहले हर तीसरे दिन दंगे होते थे। बेटियां और व्यापारी असुरक्षित थे। लेकिन आज उत्तर प्रदेश में कानून का राज है। उन्होंने प्रयागराज महाकुंभ का उदाहरण देते हुए कहा कि 45 दिनों के इस आयोजन में कोई छेड़छाड़, लूटपाट या अपहरण की घटना नहीं हुई। सीएम योगी ने बताया कि 2017 में 1.5 लाख पुलिस पद खाली थे। डबल इंजन सरकार ने पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के जरिए 1,56,000 पुलिसकर्मियों की भर्ती की और हाल ही में 60,200 नई भर्तियां की गईं। उन्होंने कहा कि 10 जनपदों में पुलिस लाइन नहीं थी। हमने सभी जगह पुलिस लाइन बनाईं। ट्रेनिंग क्षमता 6,000 से बढ़ाकर 60,244 कर दी गई। उन्होंने कहा कि पीएसी की 54 कंपनियां पिछली सरकारों ने खत्म कर दी थीं, जिन्हें बहाल किया गया। तीन महिला बटालियन और पांच नई पीएसी बटालियन गठित की गईं। साइबर थानों और हेल्प डेस्क की स्थापना की गई। पीआरबी 112 का रिस्पांस टाइम 25 मिनट 42 सेकंड से घटकर 7 मिनट 24 सेकंड हो गया। 11 लाख से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाकर सेफ सिटी की परिकल्पना को साकार किया गया।

- **सुरक्षा, सुशासन, समृद्धि और सनातन संस्कृति के क्षेत्र में प्रदेश की जो पहचान बनी है उसका एहसास पूरा भारत कर रहा है**
- **2017 से पहले न बेटी सुरक्षित होती थी, न व्यापारी, आज कानून व्यवस्था की स्थिति में आमूल चूल परिवर्तन**
- **उत्तर प्रदेश में बेरोजगारी दर 2016-17 में 13 प्रतिशत थी, आज घटकर 03 प्रतिशत रह गई है**
- **आस्था अब अर्थव्यवस्था का सशक्त माध्यम बन गई है**

सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश ने टूरिज्म के क्षेत्र में भी एक लंबी चलांग लगाई है। यूपी के अलग-अलग क्षेत्रों में हुए विकास कार्यों का असर यूपी के पर्यटन क्षेत्र में भी देखने को मिला है। 2017 से पहले 21 करोड़ पर्यटक आते थे, उसमें स्पिरिचुअल भी होता था इको टूरिज्म भी होता था हेरिटेज भी होता था और अन्य तमाम आयोजन के साथ भी जुड़ते थे आज यह संख्या बहुत बड़ी हो चुकी है। 2023 में 67 करोड़ पर्यटक आए। उन्होंने बताया कि प्रयागराज महाकुंभ में भी 67 करोड़ श्रद्धालु पहुंचे। योगी ने कहा, आस्था अब अर्थव्यवस्था का सशक्त माध्यम बन गई है। कनेक्टिविटी, सुरक्षा और सुविधाओं के विकास ने पर्यटन को बढ़ावा दिया। सीएम योगी ने कहा कि डबल इंजन की सरकार ने काफी बड़े पैमाने पर अवस्थापना सुविधाओं का विकास भी किया है। आज उसका परिणाम हम सभी के सामने है।

गरीब छात्रों के लिए वरदान बने सर्वोदय विद्यालय

आशीष पाण्डेय/दिव्य भारत

- **निःशुल्क शिक्षा से संवार रहे बच्चों के भविष्य**
- **बीते आठ वर्षों में सर्वोदय विद्यालयों की संख्या बढ़कर हुई 120**
- **सीबीएसई और यूपी बोर्ड से मान्यता प्राप्त सर्वोदय विद्यालयों में मिल रही स्मार्ट क्लास की सुविधा**
- **विद्यालयों में पढ़ाई के साथ रहने-खाने की है निःशुल्क व्यवस्था**
- **अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग और सामान्य वर्ग के लिए सीटें आरक्षित**

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश के शिक्षा तंत्र में आमूलचूल परिवर्तन देखने को मिल रहा है। गरीब और वंचित वर्ग के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के संकल्प के तहत संचालित जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय आज प्रदेश में शिक्षा के एक आदर्श मॉडल के रूप में स्थापित हो रहे हैं।

योगी सरकार के प्रयासों से 2017 से पहले जहां मात्र 93 सर्वोदय विद्यालय संचालित थे, वहीं 2024-25 तक इनकी संख्या बढ़कर 120 हो गई है। इन विद्यालयों में से 100 वर्तमान में संचालित हैं, जिनमें 70 बालक विद्यालय और 30 बालिका विद्यालय शामिल हैं। इस योजना के तहत हर विद्यालय में 490 छात्रों की क्षमता निर्धारित की गई है, जिससे हजारों छात्रों को लाभ मिल रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हमेशा शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन और राष्ट्र निर्माण का सबसे प्रभावी माध्यम बताया है। उनके नेतृत्व में सरकार न केवल विद्यालयों की संख्या बढ़ा रही है, बल्कि उनमें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित कर रही है। यह योजना प्रदेश में गरीब और वंचित वर्ग के बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें मुख्यधारा में लाने का सशक्त माध्यम बन रही है। सीएम ने प्रदेश में संचालित जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय में और सुविधाएं बढ़ाने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का मानना है कि प्रदेश भर में ये विद्यालय अपनी पूरी क्षमता के साथ संचालित किए जाने चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता को और बढ़ाएं। गरीब एवं वंचित छात्रों को बेहतरीन शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इसमें अच्छे शिक्षकों की नियुक्ति करते हुए प्रधानाचार्य और शिक्षकों का 15-15 दिवसीय ओरिएंटेशन कोर्स कराने का भी निर्देश दिया है। जिससे उनका इन विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों के साथ बेहतर जुड़ाव हो सके और यह विद्यालय राष्ट्रीय प्रेरणा तथा सामाजिक सद्भावना को आगे बढ़ाने का उत्कृष्ट केंद्र बन सके। सीएम योगी का मानना है कि बता दें कि सीएम योगी की मंशानुरूप इन विद्यालयों को आधुनिक और प्रतिस्पर्धी शिक्षा प्रणाली से जोड़ा गया है। वर्तमान में 43 विद्यालय सीबीएसई बोर्ड से और 57 विद्यालय यूपी बोर्ड से संबद्ध हैं। योगी सरकार ने इन विद्यालयों को न केवल पठन-पाठन के बेहतर साधनों से सुसज्जित किया है, बल्कि छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए नवीनतम तकनीकी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई हैं। स्मार्ट क्लासरूम, कंप्यूटर लैब, डिजिटल शिक्षा सामग्री और उच्चस्तरीय पुस्तकालय जैसी सुविधाओं ने इन विद्यालयों को शिक्षा के उत्कृष्ट केंद्रों में तब्दील कर दिया है।

प्रदेश सरकार ने समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को ध्यान में रखते हुए इन विद्यालयों में निःशुल्क शिक्षा, आवासीय सुविधा, छात्रावास, यूनिफॉर्म, पाठ्य-पुस्तकें, स्टेशनरी, दैनिक उपयोग की सामग्री, भोजन और नाश्ता की व्यवस्था की है। इसके तहत अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए 60% आरक्षण, पिछड़ा वर्ग के लिए 25% और सामान्य वर्ग के लिए 15% सीटें आरक्षित की गई हैं। इस योजना से उन परिवारों को सीधा लाभ मिल रहा है, जिनकी वार्षिक आय ग्रामीण क्षेत्रों में 46,080 और शहरी क्षेत्रों में 56,460 तक सीमित है। प्रदेश सरकार इस योजना के लिए बड़े पैमाने पर वित्तीय संसाधन आवंटित कर रही है। 2024-25 के लिए 363.91 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया गया है, जिसमें से 242.39 करोड़ रुपये की धनराशि व्यय की गई है। वर्तमान में इस योजना से 32,538 छात्र लाभान्वित हो रहे हैं, जो राज्य सरकार की शिक्षा सुधार नीति की सफलता को दर्शाता है।

भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने सपा सांसद रामजीलाल सुमन का पुतला फूंका

धर्मेन्द्र श्रीवास्तव/दिव्य भारत

प्रतापगढ़। भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष अंशुमान सिंह के नेतृत्व में भाजयुमो कार्यकर्ताओं के साथ समाजवादी पार्टी के सांसद रामजीलाल सुमन का पुतला फूंका गया। दरअसल सपा सांसद रामजीलाल सुमन ने सदन में महान शूर वीर राणा सांगा पर विवादित बयान दिया गया,जिसके विरोध में भाजयुमो कार्यालय बाबागंज पर रामजीलाल सुमन का पुतला फूंका गया। भाजयुमो जिलाध्यक्ष अंशुमान सिंह ने कहा कि राणा सांगा का गौरवशाली इतिहास रहा है। खानवा के युद्ध में राणा सांगा को 80 घाव लगने का गौरव गाथा राजस्थान प्रदेश में बड़े सम्मान के साथ गाई जाती है। राणा सांगा का पूरा नाम महाराणा संग्राम सिंह है।

1527 में भरतपुर खानवा में बाबर और राणा सांगा के बीच जोरदार युद्ध हुआ इतिहासकारों के अनुसार इस युद्ध में राणा सागर को 80 घाव आए थे, लेकिन इसके बाद भी राणा सांगा ने युद्ध नहीं रोका।

यूपी के रोड ट्रांसफॉर्मेशन की तैयारी में योगी सरकार, एक साथ 346 मार्गों की होगी विशेष मरम्मत

दिव्य भारत संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बड़े पैमाने पर रोड ट्रांसफॉर्मेशन की तैयारी है। योगी आदित्यनाथ सरकार ने प्रदेश भर में 346 मार्गों की विशेष मरम्मत के लिए प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान कर दी है। इस योजना के तहत कुल एक अरब ग्यारह करोड़ रुपये से ज्यादा का बजट स्वीकृत किया गया है। इसमें से राज्य सड़क निधि के तहत 66.67 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इस प्रक्रिया के अंतर्गत प्रदेश के करीब 40 से अधिक जिलों में नगरीय एवं ग्रामीण सड़कों की मरम्मत एवं नवीनीकरण कार्य किया जाएगा। इससे यातायात व्यवस्था सुगम होगी तथा नागरिकों को बेहतर सुविधाओं का लाभ मिलेगा। इन कार्यों को पूर्ण करने के लिए लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता व विभागाध्यक्ष को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

- **एक अरब ग्यारह करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि से मार्गों की मरम्मत का कार्य किया जाएगा पूरा**
- **प्रक्रिया के अंतर्गत उत्तर प्रदेश के करीब 40 से अधिक जिलों के लोगों को मिलेगा लाभ**
- **लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता व विभागाध्यक्ष को सौंपी गई जिम्मेदारी**
- **नगरीय एवं ग्रामीण सड़कों की सूरत बदलेगी, राज्य सड़क निधि के तहत 66 करोड़ रुपये से अधिक की स्वीकृति मिली**

अयोध्या, प्रयागराज, लखनऊ समेत इन जिलों को होगा लाभ

इस प्रक्रिया का लाभ अयोध्या, प्रयागराज, लखनऊ, बिजनौर, सीतापुर, बाराबंकी, मुरादाबाद, बरेली, बदायूं, शाहजहांपुर, प्रतापगढ़, गोंडा, आजमगढ़, चित्रकूट, गाजीपुर, जौनपुर, चंदौली, हरदोई, मीरजापुर, भदोही, सिद्धार्थनगर, बस्ती, पीलीभीत, फरुर्खाबाद, कानपुर देहात, कानपुर नगर, सोनभद्र, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, उरई (जालौन), लखीमपुर खीरी, उन्नाव, रायबरेली, संत कबीर नगर, बांदा, अमरोहा, हापुड़, सुल्तानपुर, झांसी, मथुरा, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी तथा बलरामपुर के लोगों को मिलेगा।

कार्य की गुणवत्ता और समयबद्धता पर जोर

सीएम योगी का इस पर विशेष फोकस रहता है कि प्रदेश में जो भी निर्माण एवं विकास कार्य हों वह कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्धता को सुनिश्चित करते हुए किया जाए। ऐसे में, मौजूदा मरम्मत कार्यों को पूर्ण करने के लिए लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता (विकास) व विभागाध्यक्ष को जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह योजना प्रदेश के ज्यादातर मार्गों को नया रूप देने में महत्वपूर्ण साबित होगी।

संक्षिप्त समाचार

बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर को मनुस्मृति का पूरा ज्ञान था : मायावती

लखनऊ, (हि.स.)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने सोमवार को एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर को मनुस्मृति का पूरा ज्ञान था। उनकी अनुयायी और बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष को भी इसका पूरा ज्ञान है। तभी इस व्यवस्था के विरुद्ध आवाज उठाकर यहां दुःखी और पीड़ितों को अपने पैरों पर खड़ा करने के लिए बसपा की स्थापना की गई है, यह भी सर्वविदित है। मायावती ने भाजपा, कांग्रेस पर हमला बोला है। उन्होंने पोस्ट में कहा है कि कांग्रेस, बीजेपी व अन्य किसी भी पार्टी को उनके राजनैतिक स्वार्थ में, खासकर आरक्षण को लेकर अपने देश के संविधान को किसी भी कीमत पर बदलने नहीं देंगे। जरूरत पड़ने पर इसके विरुद्ध बसपा संघर्ष के लिए भी तैयार है।

अयोध्या मंडल में 9613 विद्यालयों का कायाकल्प

अयोध्या, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार के आठ साल पूरे होने पर राज्य के विकास की नई तस्वीर सामने आई है। सड़क, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में अभूतपूर्व प्रगति के साथ योगी सरकार ने बड़े आयाम स्थापित किए हैं। विशेष रूप से शिक्षा के क्षेत्र में अयोध्या ने तेजी से तरक्की की है, जो मुख्यमंत्री के चहुंमुखी विकास के सपने को साकार करता दिख रहा है।योगी सरकार ने अयोध्या मंडल में शिक्षा को नए स्तर पर पहुंचाने के लिए ठोस कदम उठाए हैं। ऑपरेशन कायाकल्प योजना के तहत मंडल के 9,615 विद्यालयों का सुंदरीकरण किया गया है। इन स्कूलों को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया गया है, जिसमें स्मार्ट कक्षाएं, खेल के मैदान, उचित शौचालय, पुस्तकालय, कंप्यूटर लैब और कला कक्ष शामिल हैं।

दिल्ली एनसीआर में वाहन चोरी करने वाले दो आरोपित गिरफ्तार

गाजियाबाद, (हि.स.)। थाना लोनी बॉर्डर पुलिस ने दिल्ली एनसीआर में वाहन चोरी करने वाले गिरोह का पदार्फाश कर दो अरोपिओं को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से चोरी की 10 मोटरसाइकिलों के कटे पार्टस व अन्य पुर्जे बरामद किये गए हैं। एसीपी एके सिंह ने बताया कि आरोपितों में इकराम नगर जामा मस्जिद के पास रहने वाले शावेज और सुहेल हैं। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि वो लोग दिल्ली व लोनी क्षेत्र फैक्टरी एरिया में रैकी कर वाहन चोरी कर लेते हैं। चोरी के वाहनों को एक स्थान पर जमा करने के बाद ग्राहक मिलने के बाद सस्ते दामों में बेच देते हैं। इनके कब्जे से कई वाहनों के पुर्जे अलग करके कबाड़ में भी बेचने की जानकारी मिली हैं।

संभल में पुलिस, आरआरएफ ने फ्लैग मार्च किया

संभल, (हि.स.)। शाही जामा मस्जिद के सदर जफर अली की गिरफ़्तारी के बाद सोमवार को अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी श्रीशचंद्र के नेतृत्व में इलाके में एक बार फिर पुलिस ने पैदल गश्त किया। एएसपी ने बताया कि पुलिस ने नखासा क्षेत्र में पैदल गश्त की गई ह। यह लोगों में एक विश्वास बहाली है, जिसमें आश्वस्त किया जाता है कि अपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। कहीं भी कोई अपराधी, जो हिंसा आदि में शामिल रहा है वह बक्शा नहीं जाएगा। ऐसे उपद्रवियों पर कार्रवाई जारी रहेगी। सभी का दायित्व है कि साक्ष्य प्रस्तुत करें, जिस पर निष्पक्ष कार्रवाई की जाएगी। यह भी सुनिश्चित किया जाएगा की कोई भी निर्दोष इस प्रकरण में नहीं फंसे।

तालीस दिवसीय मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण प्राप्त करने को इच्छुक युवा करें आवेदन

- **प्रशिक्षण प्राप्त कर युवा शुरू करें मधुमक्खी पालन का कारोबार**

प्रयागराज, (हि.स.)। वैज्ञानिक पद्धति से मधुमक्खी पालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश के उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग ने 45 दिवसीय निशुल्क प्रशिक्षण कराने के लिए आवेदन मांगा है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 2 अप्रैल से शुरू होकर 16 मई तक चलेगा। यह जानकारी सोमवार को प्रयागराज राजकीय उद्यान अधीक्षक उमेश चन्द्र उत्तम ने दी।

उन्होंने बताया कि प्रदेश की योगी सरकार युवाओं को स्वरोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अल्पकालीन मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण कराने का निर्देश दिया है। मधुमक्खी पालन अनुपूरक कृषि उद्यम के रूप में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। मधुमक्खियों से शहद उत्पादन के साथ-साथ फसलों में पर-परागण से पौधों की जीवितता एवं उत्पादन में वृद्धि होती है। कृषि के साथ-साथ अन्य ऐसे अनुपूरक व्यवस्था अपनाये जाने की आवश्यकता है, जिसमें भूमि की ज्यादा जरूरत न हो। इसके लिए वैज्ञानिक पद्धति से मधुमक्खी पालन (मधुमक्खी) पालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज में अल्पकालीन मुधमक्खी पालन प्रशिक्षण की व्यवस्था की गयी है।

इच्छुक युवक एवं युवतियां और महिलायें इसमें आवेदन कर सकते है। प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए राजकीय उद्यान कार्यालय अधीक्षक से सम्पर्क करके आवेदन कर सकतें है। इसका प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए 8वीं कक्षा उत्तीण होना आवश्यक है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आवेदक को दो सम्भ्रान्त व्यक्तियों या राजपत्रित अधिकारियों द्वारा चरित्र प्रमाण देना आवश्यक होगा। इच्छुक अभ्यार्थी निर्धारित प्रारूप पर 2 अप्रैल तक आवेदन कर सकतें है।

संभल में पुलिस, आरआरएफ ने फ्लैग मार्च किया।